www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper
bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

2 मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

वकीलों ने आईएएस अफसर से लगवाई उठक-बैठक 04

वर्ष :09 | अंक :39 | मुंबई , बुधवार , 30 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई, 12-13 अगस्त को तय हुई तारीख

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह 12 और 13 अगस्त को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के भारत निर्वाचन आयोग के कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिकाकताओं की इस आशंका पर कि 1 अगस्त को मसौदा सूची के प्रकाशन के बाद कुछ लोगों के नाम सूची से छूट गए हैं, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम एक न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर रखा गया है, तो हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सामूहिक बहिष्कार के बजाय सामूहिक समावेश होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से आधार और मतदाता पहचान पत्र दस्तावेज स्वीकार करना जारी रखने को भी कहा। दोनों दस्तावेजों की वास्तविकता की धारणा पर जोर देते हुए, शीर्ष अदालत ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया।

गोवा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे नीति में किया बदलाव, आवेदकों को 2 लाख रुपये का प्रत्यक्ष अनुदान मिलेगा

गोवा के ग्रामीण क्षेत्रों में आतिथ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने स्थानीय समुदायों की सहायता के लिए अपनी होमस्टे नीति में संशोधन किया है, पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने घोषणा की। संशोधित नीति के तहत, पात्र आवेदकों को अब होमस्टे स्थापित करने के लिए 2 लाख रुपये का सीधा अनुदान मिलेगा, जो पिछले प्रतिपूर्ति मॉडल की जगह लेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण परिवारों के लिए वित्तीय चुनौतियाँ पैदा हुई थीं। खाउंटे ने राज्य विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि मूल नीति के तहत लाभार्थियों को पहले निवेश करना होता था और बाद में राशि का दावा करना होता था, जो ग्रामीण परिवारों की महिलाओं के लिए व्यावहारिक नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बदलाव किए हैं कि नीति समावेशी, सुलभ और वास्तव में सशक्त हो। मंत्री के अनुसार, संशोधित नीति विशेष रूप से मालिक के निवास के भीतर स्थित होमस्टे को लक्षित करती है, जहाँ मेहमानों के लिए एक से छह कमरे उपलब्ध होंगे। नीति के ग्रामीण फोकस को बनाए रखने के लिए लाभ गैर-तटीय और गैर-शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित रहेंगे। खाउंटे ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर बनाई गई है

संसद में राहुल का शानदार भाषण

ऑपरेशन सिंदूर पीएम की छवि बचाने को था, राहुल का केंद्र पर हमला, बोले- लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं

मानसून सत्र

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना होने के बाद मैं करनाल में नरवाल जी के घर गया। उनके बेटे नेवी में थे और वो सीआरपीएफ में थे। मुझे ऐसा लगा कि मैं अपने परिवार के साथ बैठा हूं। उन्होंने अपने बेटे का फोटो एल्बम दिखाया, उसके बारे में बताया कि वो बहुत हंसी-मजाक करता था।

व्यंग्यात्मक टिप्पणियाँ

राहुल ने कहा कि हमने उनके कुछ नेताओं की ओर से कुछ व्यंग्यात्मक टिप्पणियाँ सुनीं। लेकिन हमने कुछ नहीं कहा। यह एक ऐसी बात थी जिस पर इंडिया गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेतृत्व सहमत थे। हमें बहुत गर्व है कि एक विपक्ष के रूप में, हम एकजुट रहे, जैसा कि हमें होना चाहिए था।

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चट्टान की तरह सरकार के साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि एक क्रूर हमला (पहलगाम), एक निर्दयी हमला जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी सरकार द्वारा आयोजित और सुनियोजित था। युवाओं और बुजुर्गों की निर्मम हत्या कर दी गई। हम सभी, इस सदन के प्रत्येक व्यक्ति ने मिलकर, पाकिस्तान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होते ही, बल्कि शुरू होने से पहले ही, विपक्ष ने, सभी दलों ने, यह प्रतिबद्धता जताई थी कि हम सेना और भारत की निर्वाचित सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़े रहेंगे। राहुल ने कहा कि हमने उनके कुछ नेताओं की ओर से कुछ व्यंग्यात्मक टिप्पणियाँ सुनीं। लेकिन हमने कुछ नहीं कहा। यह एक ऐसी बात थी जिस पर इंडिया गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेतृत्व सहमत थे। हमें बहुत गर्व है कि एक विपक्ष के रूप में, हम एकजुट रहे, जैसा कि हमें होना चाहिए था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद पाकिस्तान को बताया कि हम संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहते, एक तरह से सरकार ने कह दिया कि हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। बहन ने कहा- मैं दरवाजे की ओर देखती हूं, लेकिन मेरा भाई नहीं आता है और कभी नहीं आएगा। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि उसके बाद मैं यूपी में एक और परिवार से मिला, जिसमें पति को पत्नी के सामने गोली मार दी गई थी। ये देखकर हर हिंदुस्तानी को दर्द होता है, दुख होता है। जो हुआ, बहुत गलत हुआ। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करने का आदेश देने की गलती की, हमारे पायलटों के हाथ बांध दिए गए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य प्रधानमंत्री की छवि को बचाना था। उन्होंने कहा कि दो शब्द हैं - 'राजनीतिक इच्छाशक्ति' और 'कार्रवाई की स्वतंत्रता'। अगर आप भारतीय सशस्त्र बलों का उपयोग करना चाहते हैं, तो आपके पास 100% राजनीतिक इच्छाशक्ति और पूरी तरह से कार्रवाई की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कल, राजनाथ सिंह ने 1971 और सिंदूर की तुलना की। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि 1971 में राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। सातवां बेड़ा हिंद महासागर के रास्ते भारत की ओर बढ़ रहा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था कि हमें बांग्लादेश के साथ जो भी करना है, करना होगा, जहाँ भी आना हो, आओ... इंदिरा गांधी ने जनरल मानेकशॉ से कहा था कि 6 महीने, 1 साल, जितना भी समय चाहिए, ले लो क्योंकि तुम्हें कार्रवाई और युद्धाभ्यास की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

राज्यसभा में खरगे-नड्डा का हाई-वोल्टेज तकरार, पीएम पर बयान से शुरू होकर माफी तक पहुंची बात

मंगलवार को राज्यसभा में उस समय भारी हंगामा हुआ जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। संसद के उच्च सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष बहस के दौरान बोलते हुए, नड्डा ने 83 वर्षीय खड़गे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विवादास्पद शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि वह (राज्यसभा नेता मल्लिकार्जुन खड़गे) बहुत वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की। मैं उनका दर्द समझ सकता हूँ। वह (प्रधानमंत्री मोदी) 11 साल से वहाँ हैं। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं।

'दुनिया के किसी भी नेता ने ऑपरेशन रोकने को नहीं कहा'

ऑपरेशन सिंदूर पर वार-पलटवार, पीएम मोदी ने विपक्ष के आरोपों का दिया जवाब

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर मीडिया में जगह ले सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिल में जगह नहीं बना सकते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा।

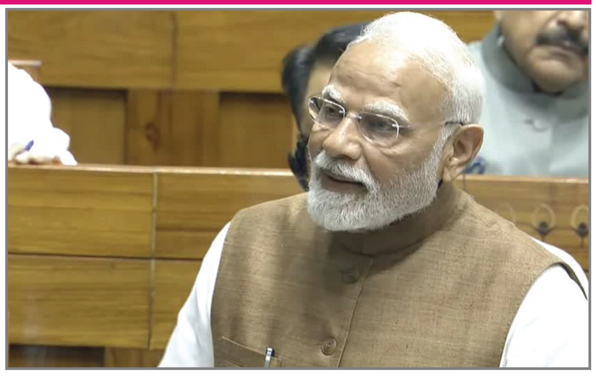

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का मंगलवार को 7वां दिन है. 'ऑपरेशन सिंदूर' पर व्यापक चर्चा हुई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में इस चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम के आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है. ये सभी आतंकी पाकिस्तानी थे. गोली और हथियारों की एफएसएल की जांच में पाया गया कि सभी पाकिस्तानी थे. वहीं एक आतंकी का वोटर कार्ड पाकिस्तानी पाया गया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले.

डंके की चोट पर अभिनंदन वापस आया: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत 'आत्मनिर्भरता' की ओर तेजी से बढ़ रहा है, और दूसरी तरफ कांग्रेस अब भी मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर होती जा रही है. दुर्भाग्य से कांग्रेस को मुद्दे भी पाकिस्तान से 'इम्पोर्ट' करने पड़ रहे हैं! उन्होंने कहा कि जब पायलट अभिनंदन पकड़े गए, तो पाकिस्तान में खुशी का माहौल होना स्वाभाविक था, क्योंकि उनके हाथ भारतीय सेना का पायलट लगा था. लेकिन यहां पर भी कुछ लोग थे जो कानों-कान कह रहे थे - अब मोदी फंसा, अब देखते हैं, मोदी क्या करता है. डंके की चोट पर अभिनंदन वापस आया. उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जब बीएसएफ का एक जवान पाकिस्तान के कब्जे में गया, तो इन्हें लगा कि अब मोदी फंस जाएगा. अब तो मोदी की फजीहत जरूर होगी ।और इनके इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया पर तमाम कथाएं वायरल कीं - बीएसएफ जवान का क्या होगा।, उसके परिवार का क्या होगा? बीएसएफ का वो जवान भी आन, बान और शान के साथ वापस आया. ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है: पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन रोकने के लिए नहीं कहा. 9 मई की रात को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मुझसे बात करने का प्रयास किया

विदेश नीति पर पीएम मोदी का बयान

विदेश नीति पर पीएम मोदी ने कहा कि यहां पर विदेश नीति को लेकर भी काफी बातें कही गई. दुनिया के समर्थन को लेकर भी काफी बातें कही गई. दुनिया के किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है. 193 देशों में से सिर्फ तीन देश ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया ने वीरों के पराक्रम को समर्थन नहीं किया. भारत को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला. कांग्रेस को भारत के सामर्थ्य पर भरोसा नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है. कांग्रेस सेना का मोनबल गिरा रही थी. कांग्रेस को सेना द्वारा दिए गए

गृह मंत्री मेरी मां के आंसुओं तक चले गए, लेकिन यह नहीं बताया कि युद्धविराम हुआ क्यों?

प्रियंका का सरकार पर तंज

कांग्रेस नेता ने कहा कि 1948 से लेकर अब तक- जब पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर पर हमला किया गया- हमारे देश की अखंडता की रक्षा करने में हमारे जवानों का बड़ा योगदान है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता ने कहा कि 1948 से लेकर अब तक- जब पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर पर हमला किया गया- हमारे देश की अखंडता की रक्षा करने में हमारे जवानों का बड़ा योगदान है। उन्होंने सवाल किया कि वहां (बैसरन घाटी, पहलगाम) एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों मौजूद नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी नहीं है? उन्होंने अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आज नेहरू और इंदिरा गांधी के किए पर बात की। उन्होंने मेरी माँ के आँसुओं का भी ज़िक्र किया। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि युद्धविराम की घोषणा क्यों की गई। प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आज मेरी माँ के आँसुओं के बारे में बात की। मैं इसका जवाब देना चाहता हूँ। मेरी मां के आंसू तब गिरे, जब उनके पति को आतंकवादियों ने शहीद किया, जब वे सिर्फ 44 साल की थीं। आज जब मैं उन 26 लोगों (पहलगाम हमले के पीड़ितों) के बारे में बात करता हूँ, तो इसलिए कि मैं उनका दर्द समझती हूँ। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हमेशा सवालों से बचने की कोशिश करती है... देश के नागरिकों के प्रति उनकी कोई जवाबदेही नहीं है।

कांग्रेस की महाभूल के लिए नेहरू-गांधी परिवार जिम्मेदार: अमित शाह

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए शाह ने कहा कि आज चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में है, और भारत नहीं है

अमित शाह ने संसद में कांग्रेस को घेरते हुए पीओके कानून रद्द करने और शिमला समझौते में पीओके लेने पर सवाल उठाए। उन्होंने दाऊद इब्राहिम जैसे आतंकियों के कांग्रेस शासन में भागने का आरोप लगाया और कहा कि डोकलाम में राहुल गांधी का चीनी राजदूत से मिलना नेहरू के चीन प्रेम का विस्तार है।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पाकिस्तान कांग्रेस की गलती है। अगर उन्होंने विभाजन स्वीकार नहीं किया होता, तो आज पाकिस्तान नहीं होता। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए शाह ने कहा कि आज चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में है, और भारत नहीं है। मोदी जी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा बन जाए। इसके लिए जवाहरलाल नेहरू का रुख ज़िम्मेदार है। जब हमारे जवान डोकलाम में चीनी सैनिकों का सामना कर रहे थे, तब राहुल गांधी चीनी राजदूत के साथ बैठक कर रहे थे। चीन के प्रति यह प्रेम जवाहरलाल नेहरू, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लेकर तीन पीढ़ियों तक चला आ रहा है। शाह ने कहा कि 2002 में अटल जी की एनडीए सरकार पोटा (आतंकवाद निरोधक अधिनियम, 2002) लेकर आई थी।

हरिद्वार हादसे के पीड़ितों को श्रद्धांजलि, व्यापार मंडल ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

एजेंसी

राज्य व्यापार मण्डल उत्तराखंड हरिद्वार महानगर इकाई द्वारा माँ मनसा देवी मंदिर मार्ग में हुए हादसे में मृतको की आत्मा शांति के लिए माँ गंगा हरकी पौड़ी में दीपदान किया गया और घायल हुए श्रद्धालुओं की जल्दी स्वस्थ होने की कामना माँ गंगा से की गयी। प्रदेश अध्यक्ष राजेंदर चौटाला ने कहा की श्रद्धालु मन की शांति के लिए हरिद्वार आते है ।

ऑपरेशन सिंदूर को कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने बताया तमाशा

पूछा- इससे क्या हासिल हुआ

प्रणीति शिंदे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर मीडिया में सरकार का एक 'तमाशा' था। कोई हमें यह नहीं बता रहा कि इस ऑपरेशन में क्या हासिल हुआ। कितने आतंकवादी पकड़े गए? हमने कितने लड़ाकू विमान गँवाए? इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है और किसकी गलती है, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

एजेंसी

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर गरमागरम चर्चा के दौरान, कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने सैन्य अभियान को मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा रचा गया एक तमाशा बताकर राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी को तुरंत आधिकारिक संसदीय रिकॉर्ड से हटा दिया गया।

मुठभेड़ कल ही क्यों हुई? ऑपरेशन महादेव पर अखिलेश ने उठाए सवाल

चीन को बताया राक्षस

अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब हम संसद में यह चर्चा कर रहे हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि देश का कुल क्षेत्रफल कितना है। यादव ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में ऑपरेशन महादेव संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल ही क्यों हुई।

एजेंसी

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि सरकार को युद्धविराम की घोषणा करनी पड़ी? उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि हमें तो उम्मीद थी कि सरकार खुद ही इसकी घोषणा कर देगी। लेकिन चूंकि उनकी गहरी दोस्ती है, इसलिए सरकार ने अपने दोस्त से ही युद्धविराम की घोषणा करने को कहा। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा? सरकार जो दावा करती है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद कोई आतंकवादी घटना नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब हम संसद में यह चर्चा कर रहे हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि देश का कुल क्षेत्रफल कितना है। यादव ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में ऑपरेशन महादेव संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल ही क्यों हुई।

'भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए करकर तैयार कर रहा स्लीपर सेल': एनआईए

एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि आतंकवादी संगठन के संचालक क्रिप्टो-वॉलेट के माध्यम से धन जुटाते हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच से पता चला है कि इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) देश भर में आतंकी गतिविधियां चलाने के लिए स्लीपर सेल सक्रिय की कोशिश कर रहा है. एनआईए द्वारा गिरफ्तार कुछ आतंकवादियों से पूछताछ के बाद यह बात सामने आयी. आईएसआईएस युवाओं को कट्टरपंथ के जरिए भर्ती करने की कोशिश भी कर रहा है. संघीय एजेंसी ने इस संबंध में तमिलनाडु और महाराष्ट्र पुलिस को पहले ही सतर्क कर दिया है।

ऐलान 42% आरक्षण पर के कविता का बड़ा ऐलान

4, 5 और 6 अगस्त को भूख हड़ताल पर रहूंगी..

कविता ने कहा कि तेलंगाना जागृति के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित करने के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई में हमारा एजेंडा यह सुनिश्चित करना है कि पिछड़ों को राजनीतिक शक्ति मिले। अतीत में तेलंगाना जागृति की भूमिका का हवाला देते हुए, उन्होंने याद किया कि तेलंगाना जागृति द्वारा 2018 के पंचायती राज अधिनियम में संशोधन की मांग के कारण ही राज्य सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया था।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण की मांग को लेकर 4, 5 और 6 अगस्त को 72 घंटे की भूख हड़ताल की घोषणा की है। कविता ने कहा कि तेलंगाना जागृति के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित करने के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई में हमारा एजेंडा यह सुनिश्चित करना है कि पिछड़ों को राजनीतिक शक्ति मिले।₹ अतीत में तेलंगाना जागृति की भूमिका का हवाला देते हुए, उन्होंने याद किया कि तेलंगाना जागृति द्वारा 2018 के पंचायती राज अधिनियम में संशोधन की मांग के कारण ही राज्य सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया था। कविता ने राज्यपाल से जुड़े लंबित विधेयकों और मुद्दों को लेकर अदालत जाने में तेलंगाना सरकार की अनिच्छा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि तमिलनाडु में जब राज्यपाल किसी फैसले में देरी करते थे, तो वे अदालत जाते थे और फैसला हासिल करते थे। तेलंगाना सरकार राज्यपाल के पास लंबित मामलों को लेकर अदालत क्यों नहीं जा रही है? उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर एक गुप्त समझौते का आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह गठबंधन तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को कानूनी कदम उठाने से रोक रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौते के कारण, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार इस मामले को अदालत में नहीं ले जा रही है। तेलंगाना के आरक्षण विधेयक में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों के लिए 18 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव है, जो मौजूदा क्रमशः 29 प्रतिशत, 15 प्रतिशत और 6 प्रतिशत से अधिक है। इसके साथ, तेलंगाना का लक्ष्य सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 70 प्रतिशत करना है,

जिसके लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक है। कविता ने जोर देकर कहा कि अगर केंद्र सरकार पर दबाव डालना जरूरी है, तो राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय में मामला दायर करना चाहिए।

क्रिकेट नहीं पीओके चाहिए! प्रमोद तिवारी बोले, गोली और गोला एक साथ नहीं चल सकते

एएनआई से बात करते हुए, तिवारी ने कहा कि मैं किसी का नाम नहीं लूँगा, लेकिन एक बात स्पष्ट रूप से कहूँगा कि ऑपरेशन सिंदूर या संसद में किसी भी अन्य मुद्दे को लेकर कांग्रेस में कोई विरोधाभास नहीं है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष विराम समझौते के लिए कौन ज़िम्मेदार था और किन परिस्थितियों में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंध क्यों जारी हैं। उन्होंने कहा कि गोली और गेंद एक साथ नहीं चल सकते। एएनआई से बात करते हुए, तिवारी ने कहा कि मैं किसी का नाम नहीं लूँगा, लेकिन एक बात स्पष्ट रूप से कहूँगा कि ऑपरेशन सिंदूर या संसद में किसी भी अन्य मुद्दे को लेकर कांग्रेस में कोई विरोधाभास नहीं है। हमारी बात स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और जवाब देना चाहिए कि संघर्ष विराम के लिए कौन ज़िम्मेदार था। उन्हें ट्रंप द्वारा 28 बार किए गए दावों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। पहलगाम में हुई 26 मौतों के लिए कौन ज़िम्मेदार है? उन्होंने सरकार द्वारा स्थिति से निपटने पर सवाल उठाते हुए कहा कि किन परिस्थितियों में हम पीछे हटे? गोली और गेंद एक साथ नहीं चल सकते। देश की भावना इस समय क्रिकेट के पक्ष में नहीं है। देश चाहता है कि पीओके भारत के मानचित्र का हिस्सा हो... वे कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

सम्पादकीय

भगदड़ बन चुकी है रोज की खबर, लेकिन जवाबदेही किसी की नहीं हर हादसे के बाद वही लापरवाही

चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। बाराबंकी में मंदिर परिसर में भगदड़, करंट से दो श्रद्धालुओं की मौत और 29 घायल; बंदरों के कूदने से टूटे तार पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। इसमें दोराय नहीं कि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों समेत सार्वजनिक जगहों पर लोगों की भीड़ आए दिन बढ़ रही है। ऐसे में शासन-प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के उपायों को सख्ती से लागू करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लानी होगी। तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

आज का विचार

मेष राशि: व्यापार के मामले में अपने काम धंधे को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए तरीके से काम की शुरूआत करनी पड़ सकती है। कुछ ऐसी स्थिति स्थिति भी बन सकती है जो बाकी लोगों के लिए असुविधाजनक हो सकती है।

वृषभ राशि: कार्यक्षेत्र में कामकाज सही चलेगा और लाभ कमाने के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल रहेगा। हो सकता है कि दोपहर तक आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिले, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। परिवार वालों के साथ भी आप सुखद समय बिताएंगे और रात में किसी मांगलिक कार्य में भी जा सकते हैं।

मिथुन राशि :कारोबार और नौकरी के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपके द्वारा लिए गए निर्णय और बनाई गई योजनाओं का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। साथ ही, लाभ कमाने के अवसर भी मिलेंगे। अगर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकती है।

कर्क राशि: दिन आपके लिए ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। सुबह के समय कार्यक्षेत्र में कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं। ऐसे में कोई भी फैसला आपके लिए सोच-समझकर लेना बेहतर होगा और जल्दबाजी में भी निर्णय लेने से बचें।

सिंह राशि : दिन सामान्य से थोड़ा बेहतर रहेगा। कारोबार में कामकाज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आता जाएगा। नौकरी करने वालों को किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलने से कार्यस्थल में आपकी स्थिति और ज्यादा मजबूत होती जाएगी।

कन्या राशि: कार्यक्षेत्र में आपको अपने आसपास सही और गलत लोगों के बीच पहचान करनी होगी। अन्यथा कुछ लोग आपकी बातों का लाभ उठा सकते हैं और पीठ पीछे आपकी बुराई भी कर सकते हैं। ` सही दिशा मिलने की संभावना है।

तुला राशि: अगर आप व्यवसाय या कारोबार से जुड़ा कोई प्रस्ताव, योजना या कागजी काम करने वाले हैं, तो उसे दिन के समय पूरा कर लेना बेहतर होगा। जरूरी फैसले लेने के लिए आप दिन के तीसरे पहर का समय उत्तम रहने वाला है। इससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। आपको किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए भी तैयार रहना होगा।

वृश्चिक राशि: कार्यक्षेत्र में काम आपके मन मुताबिक नहीं होगा और कुछ विपरीत परिस्थिति भी देखने को मिल सकती है, जिससे मन थोड़ा उदास रहेगा। साथ ही, आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना होगा, अन्यथा धोखा मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा।

धनु राशि: अगर व्यापार के मामले में कई दिनों से आपके छोटे-छोटे कार्यों में बाधाएं आ रही थीं या वे बीच में अटके हुए थे, तो स्थिति बेहतर हो सकती है।

मकर राशि :व्यापार के मामले में आपको कुछ नई जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं, जिससे बौद्धिक क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। कामकाज के सिलसिले में किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बातचीत या मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रियजनों की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कुंभ राशि:कार्यक्षेत्र में आपको अपने सभी जरूरी कार्यों को समय निपटाना होगा, जिसके चलते थोड़ी भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी व्यस्त रहने वाला है। वहीं, कुछ अपने लोग आपकी चिंता का कारण बन सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

मीन राशि: कार्यस्थल पर आपको बहुत सारे काम एक साथ करने पड़ सकते हैं, जिससे आपको प्रेशर महसूस होगा और पूरे दिन व्यस्त भी रहेंगे। सुबह के समय इन कार्यों को पूरा करने के लिए आपको मेहनत करनी होगी। क्योंकि दिन के बाद समय आपके लिए विपरीत हो सकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

> बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है।

पिछले... बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं। वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए। भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल

1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं। राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना 'वोट खोने का डर' पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी 'रणनीति' पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरूआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं

भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक

पुनीत उपाध्याय

भारत में बढ़ता ई-कचरा या ई-वेस्ट गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक कचरा या ई-कचरा दरअसल बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वेस्ट है। राज्यसभा में केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का हवाला देकर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2022-23 तक ई-कचरे के उत्पादन में क्रमिक वृद्धि हुई हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसमें कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसमें मामूली वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में 13 लाख 97 हजार मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा हुआ। इससे पहले 16 दिसंबर 2024 को सरकार ने राज्यसभा में बताया था कि पिछले पांच वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उत्पादन में भारी वृद्धि देखी गई जो 2019-20 में 1.01 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 1.751 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े 2019-20 से ई-कचरा उत्पादन में चिंताजनक 72.54 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हैं जो देश भर में इलेक्ट्रॉनिक और बिजली उपकरणों के बढ़ते उपयोग को दशार्ता है। स्मार्टफोन और लैपटॉप से लेकर उन्नत औद्योगिक और चिकित्सा उपकरणों तक. तकनीक आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और नवाचार की रीढ़ बन गई है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर इस बढ़ती निर्भरता का नुकसान भी है जिसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे के रूप में जाना जाता है। भारत में 95 फीसदी कचरे का उचित निस्तारण नहींदुनिया के शीर्ष ई-कचरा उत्पादकों (चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और जर्मनी) में शुमार भारत के सामने ई-कचरे के प्रबंधन की एक कठिन चुनौती है। भारत में ई-कचरे की मात्रा छह वर्षों में 151.03 फीसदी बढ़कर 2017-18 में 7 लाख 8 हजार 445 मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 17 लाख 78 हजार 400 मीट्रिक टन हो गई जिसमें 1 लाख 69 हजार 283 मीट्रिक टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक है। यहां उत्पन्न होने वाले लगभग 95 फीसदी ई.कचरे को या तो जला दिया जाता है या लैंडफिल में फेंक दिया जाता है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ यह संख्या और भी बढ़ेगी और साथ ही स्वास्थ्य को खतरा पैदा करने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ई-कचरा दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते ठोस अपशिष्ट स्रोतों में से एक है। 2022 में वैश्विक स्तर पर अनुमानित 62 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ।

केवल 22.3 का ही का ही औपचारिक रूप से संग्रहण और रिसाइकिल किया गया। चिंता की बात यह है कि सीसा एक सामान्य पदार्थ है जो पर्यावरण में तब उत्सर्जित होता है जब ई-कचरे को खुले में जलाने सहित अनौपचारिक गतिविधियों के माध्यम से पुनर्चक्रित, संग्रहीत या डंप किया जाता है। अनौपचारिक ई-कचरा निस्तारण के कई प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं। बच्चे और गर्भवती महिलाएं विशेष रूप से असुरक्षित हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में अनौपचारिक रिसाइकिल क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं और बाल श्रमिकों को खतरनाक ई-कचरे के संपर्क में आने का खतरा हो सकता है। उत्पादन.रिसाइकिल में बड़ा गैप. पांच गुना अंतर आ चुका संयुक्त राष्ट्र के चौथे वैश्विक ई-कचरा मॉनिटर के अनुसार दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उत्पादन इसकी रिसाइकिलिंग की तुलना में पांच गुना तेजी से बढ़ रहा है। 2022 में रिकॉर्ड 62 मिलियन टन ;ई-कचरा उत्पन्न हुआ जो 2010 से 82 फीसदी अधिक है। 2030 में 32 फीसदी और बढ़कर 82 मिलियन टन होने की संभावना है जिससे अरबों डॉलर मूल्य के रणनीतिक रूप से मूल्यवान संसाधन बर्बाद होंगे। दुनिया भर में ई-कचरे का वार्षिक उत्पादन 26 लाख टन की दर से बढ़ रहा है जो 2030 तक 8.2 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है।

वसई-विरार मनपा के पूर्व कमिश्नर अनिल पवार के घर समेत 12 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

वसई-विरार महानगरपालिका के पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार एक बार फिर ईडी के रडार पर आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार सुबह उनके वसई पश्चिम स्थित सरकारी निवास पर छापा मारा। साथ ही नासिक, पुणे और ठाणे स्थित उनके अन्य 9 ठिकानों पर भी एक साथ कार्रवाई की गई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/वसई, वसई-विरार महानगरपालिका के पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार एक बार फिर ईडी के रडार पर आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने मंगलवार सुबह उनके वसई पश्चिम स्थित सरकारी निवास पर छापा मारा। साथ ही नासिक, पुणे और ठाणे स्थित उनके अन्य 9 ठिकानों पर भी एक साथ कार्रवाई की गई। यह छापेमारी कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले के तहत की गई है, जो नालासोपारा के अग्रवाल नगरी इलाके में डंपिंग ग्राउंड और सीवरेज की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए भवनों से जुड़ा है। कब से कब तक रही ईडी की टीम ?ईडी की टीम मंगलवार सुबह सात बजे अनिल पवार के वसई स्थित सरकारी बंगले पर पहुंची। उस वक्त पवार और उनकी पत्नी घर पर ही मौजूद थे। कुछ देर बाद उनकी बेटी भी वहां पहुंचीं। अधिकारियों ने तीनों से घंटों तक पूछताछ की और घर की गहन तलाशी ली। दोपहर करीब तीन बजे ईडी की टीम अनिल पवार, उनकी पत्नी और बेटी को साथ लेकर बाहर निकली। इस दौरान उनकी पत्नी भावुक थीं और रोती हुई नजर आईं, जिससे माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया।

क्यों हुई कार्रवाई?

ईडी सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई उस मनी ट्रेल की जांच का हिस्सा है, जिसमें आरोप है कि नगर निगम की डंपिंग और सीवरेज जमीन पर अवैध निर्माण की अनुमति दी गई और इसमें करोड़ों रुपये के लेनदेन हुए।

लाडकी बहीण योजना पर अपडेट, 26 लाख 'बहनें' अयोग्य, अदिति तटकरे ने पेश किए आंकड़े

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले आनन-फानन में लागू की गई 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इस योजना के 2 करोड़ 52 लाख लाभार्थियों में से अब 26 लाख 34 हजार महिलाओं को अलग-अलग कारणों से अपात्र घोषित कर दिया गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले आनन-फानन में लागू की गई ' मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इस योजना के 2 करोड़ 52 लाख लाभार्थियों में से अब 26 लाख 34 हजार महिलाओं को अलग-अलग कारणों से अपात्र घोषित कर दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि 14 हजार 298 पुरुषों ने भी इस योजना का लाभ उठाया है। उच्च पदस्थ अधिकारियों का अनुमान है कि अपात्र लाभार्थियों के कारण इस साल लगभग 4 हजार 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

कितने लाभार्थी अपात्र?

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे ने खुद सोशल मीडिया पर अपात्र लाभार्थियों के आंकड़े पेश किए। देवेंद्र फडणवीस सरकार के सत्ता में आने के बाद आवेदनों का दोबारा सत्यापन करने का निर्णय लिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस योजना के तहत पात्र सभी आवेदनों की पहचान करने के लिए सरकार के अन्य विभागों से जानकारी मांगी थी। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 26 लाख 34 हजार लाभार्थी अपात्र पाए गए हैं। तटकरे ने कहा कि कुछ 'बहनें' एक से ज्यादा योजनाओं का लाभ ले रही हैं और कुछ परिवारों में दो से ज्यादा लाभार्थी हैं, जबकि कुछ जगहों पर पुरुषों ने भी आवेदन किया है। अपात्र पाए गए लाभार्थियों का 1500 रुपये प्रति माह का मानदेय अस्थायी रूप से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। सरकार के साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए और गबन किए गए मानदेय की वसूली की जाए या नहीं, इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ चर्चा की जाएगी। किन लाभार्थियों की रोकी गई किस्त? तटकरे ने बताया कि इन लाभार्थियों को मिलने वाली किस्त जून से अस्थायी रूप से रोक दी गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि लगभग 2.25 करोड़ पात्र लाभार्थियों को किस्त वितरित की जा चुका है। तटकरे ने कहा कि जिन लाभार्थियों के लाभ अस्थायी रूप से रोक दिए गए हैं, उनके सत्यापन के बाद पात्र लाभार्थियों को धनराशि का वितरण फिर से शुरू किया जाएगा। तटकरे ने कहा कि सरकार की ओर से लाभ फिर से शुरू किया जाएगा। संजय गांधी निराधार योजना के 30 हजार लाभार्थी, 65 वर्ष से अधिक आयु की 1 लाख 10 हजार महिलाएं, परिवार के सदस्यों के नाम पर चार पहिया वाहन और नमोशक्ति योजना के 1 लाख 60 हजार लाभार्थियों सहित लगभग पांच लाख लाभार्थियों को पहले ही अपात्र घोषित किया जा चुका है।

फास्ट ट्रैक

बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में अस्थाई तौर पर एक स्लीपर का अतिरिक्त कोच लगेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर ।रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु स्थाई/अस्थाई अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/ टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 18247/18248 बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में एक शयनयान श्रेणी का अस्थाई अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। एक शयनयान श्रेणी का अस्थाई अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस के प्रारंभिक स्टेशन बिलासपुर स्टेशन से दिनांक 30.07.2025 से 31.10.2025 तक तथा इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18248 रीवाझबिलासपुर एक्सप्रेस के प्रारंभिक स्टेशन रीवा स्टेशन से दिनांक 31.07.2025 से 01.11.2025 तक गंतव्य के लिए लगाया जाएगा। एक अतिरिक्त बढ़ने से कोच संरचना :- 1 एसी 2 टियर, 3 एसी 3 टियर, 7 स्लीपर, 5 जीएस एवं 2 एसएलआरडी सहित 18 कोचेस। यात्रियों से अनुरोध है इस अतिरिक्त कोच का लाभ उठाएं।

रेलवे निम्नलिखित ट्रेनों को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे अब से निम्नलिखित ट्रेनों को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार संशोधित संरचना के साथ चलाएगाः

ट्रेन संख्या 12701/12702 सीएसएमटी-हैदराबाद-सीएसएमटी हुसैन सागर एक्सप्रेस और

ट्रेन संख्या 22732/22731 सीएसएमटी-हैदराबाद-सीएसएमटी एक्सप्रेस निम्नलिखित संशोधित संरचना के साथ चलेंगीः

संशोधित संरचनाः

एक एसी-2 टियर, पाँच एसी-3 टियर, 4 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 जेनरेटर कार और 1 सेकंड सीटिंग और लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन।

ट्रेन संख्या 12701 सीएसएमटी-हैदराबाद हुसैन सागर एक्सप्रेस 24.09.2025 से सीएसएमटी से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 12702 हैदराबाद-सीएसएमटी हुसैन सागर एक्सप्रेस 25.09.2025 से हैदराबाद से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 22732 सीएसएमटी-हैदराबाद एक्सप्रेस 26.09.2025 से सीएसएमटी से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 22731 हैदराबाद-सीएसएमटी एक्सप्रेस 23.09.2025 से हैदराबाद से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

'इस' कानून का ऐसा दुरुपयोग

दुरुपयोग के कारण सरकारी अधिकारियों में भय, सरकारी अधिकारी, सरकारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

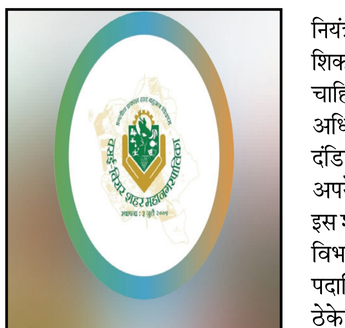

कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार को उजागर करने और उस पर अंकुश लगाने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) लागू किया। लेकिन इसका दुरुपयोग हो रहा है और ऐसा लगता है कि यह अधिकार कई लोगों के लिए जीविकोपार्जन का साधन बनता जा रहा है। यह कानून वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के अथक प्रयासों के बाद लागू हुआ। किसी विषय पर जानकारी मांगने पर संबंधित विभाग का अधिकारी या कर्मचारी डर जाता है। उन्हें डर है कि उनके खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी और इसी का फायदा उठाकर कुछ बदमाश संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से पैसे की मांग करते हैं। वसई विरार शहर महानगर पालिका में यह देखा जा सकता है कि आरटीआई कुछ राजनीतिक दलों के स्वयंभू पदाधिकारियों, कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं और कुछ तथाकथित पत्रकारों के लिए ब्लैकमेलिंग का एक साधन बन गया है। हालांकि, इससे अधिकारी और कर्मचारी असमंजस में हैं। कुछ लोग सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत सूचना मांगकर अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्लैकमेल करने के घिनौने धंधे में लगे हुए हैं। उन्होंने महानगर पालिका, पंचायत समिति, जिला परिषद, शहरी नियोजन और निर्माण विभाग जैसे सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों को ब्लैकमेल करने का व्यवसाय शुरू कर दिया है। सरकारी कार्यालयों में बड़े पैमाने पर जबरन वसूली हो रही है। ईमानदार अधिकारियों को सूचना के अधिकार का कोई डर नहीं है; लेकिन इसमें बहुत समय लगता है. वसई विरार शहर महानगर पालिका के अधिकारियों ने ' भारत संवाद' से कहा कि प्रशासन को इस पर नियंत्रण करना चाहिए।अधिकारियों को शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आना चाहिए। इस कानून के तहत भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को दंडित किया गया है, लेकिन कुछ ने अपने परिवारों का पेट पालने के लिए इस शक्ति का दुरुपयोग किया है। कुछ विभागों को कुछ राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और ठेकेदारों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति केवल धन उगाही के उद्देश्य से सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी मांग रहा है, तो अधिकारी और कर्मचारी स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर मामला दर्ज कराएं। एक आर टी आई कार्यकर्ता ने बताया कि कुछ स्थानों पर आरटीआई कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, और परिणामस्वरूप उन्हें धमकियां मिलती हैं या हमले भी होते हैं। कुछ स्थानों पर आरोप हैं कि आरटीआई कार्यकर्ता सूचना का दुरुपयोग करते हैं, लोगों को परेशान करते हैं या जबरन वसूली की मांग करते हैं।

'मुझे बोलने दो, डेढ़ लाख देकर आया हूं..', जब शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे बोलने जा रहे थे तब राशिद इंजीनियर ने सबको हैरान कर दिया

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जोरदार चर्चा चल रही है। इसमें पक्ष और विपक्ष के नेता ने इस मुद्दे पर अपनी रख रह रहे हैं। इस दौरान मंगलवार को एक अजब वाकया हुआ। शिवसेना के सांसद और एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे जैसे ही अपनी बात रखने जा रहे थे तभी बारामूला लोकसभा सीट से सांसद इंजीनियर राशिद ने चिल्लाना शुरू कर दिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः लोकसभा में ' ऑपरेशन सिंदूर' पर जोरदार चर्चा चल रही है। इसमें पक्ष और विपक्ष के नेता ने इस मुद्दे पर अपनी रख रह रहे हैं। इस दौरान मंगलवार को एक अजब वाकया हुआ। शिवसेना के सांसद और एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे जैसे ही अपनी बात रखने जा रहे थे, तभी बारामूला लोकसभा सीट से सांसद इंजीनियर राशिद ने चिल्लाना शुरू कर दिया। लोकसभा की सीढ़ियों पर खड़े होकर कश्मीरी सांसद ने उन्हें बोलने का मौका दिए जाने की गुहार की। दरअसल बारामूला लोकसभा सीट से सांसद इंजीनियर राशिद को संसद के मॉनसून सत्र में शामिल होने के लिए लोअर कोर्ट की ओर से कस्टडी पैरोल दी है ।क्या हुआ ?मंगलवार को संसद की कार्यवाही चल रही थी। इस बीच जब श्रीकांत शिंदे बोलने के लिए खड़े हुए, तो राशिद इंजीनियर ने विरोध में आवाज उठाई। उन्होंने लोकसभा की सीढ़ियों पर खड़े होकर जोर से कहा कि उन्होंने एक दिन के डेढ़ लाख रुपये दिए हैं और उन्हें बोलने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने लोकसभा स्पीकर से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' उनके क्षेत्र में हुआ था। इस घटना से लोकसभा में कुछ देर के लिए हंगामा मच गया।कौन हैं सांसद राशिद इंजीनियर ?इंजीनियर राशिद ने 2024 में बारामूला लोकसभा सीट जीतकर सबको चौंका दिया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया था।

भाजपा का पीने के पानी के लिए किया चक्का जाम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण - कल्याण पूर्व क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पानी सप्लाई में कम दबाव होने के कारण पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है उसके साथ ही नागरिकों को गंदे पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा हैं। स्थिति को गंभीर देखते हुए कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के खिलाफ सत्तारूढ़ भाजपा का 'सड़क नाकाबंदी' आंदोलन किया गया ।जहां पर सैकड़ों नागरिक एवं महिला कार्यकर्ता मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी के विधायक वर्षों से सत्ता में हैं, फिर भी इलाके के नागरिक पानी की कमी से जूझ रहे हैं। इस समस्या को उजागर करने के लिए भाजपा कार्यकताओं ने मनपा के डी वार्ड के सामने कल्याण-पुणे लिंक रोड पर चक्का जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक मुख्य सड़क को रोका गया था। इस विरोध प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में भारी यातायात जाम हो गया और यात्रियों को भारी असुविधा हुई। दिलचस्प बात यह है कि सत्ता में रहते हुए भी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए भाजपा को विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है ।दोपहर का समय होने के कारण छोटे छोटे स्कूली बच्चे काफी देर तक जाम में फंसे रहे। कुछ नागरिक जाम की परेशानी के कारण आंदोलन कर रहे कार्यकताओं से उलझ गए। वही मरीज को ले जा रही एंबुलेंस भी फंसी रही। सभी आंदोलन कर रहे लोगों ने मनपा आयुक्त को बुलाने की मांग कर रहे थे लेकिन सिटी इंजीनियर अनिता परदेशी मौके पर पहुंची और लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द पीने के पानी की समस्या को सुलझाया जाएगा। जिससे चलते लोगों ने आंदोलन को समाप्त किया। कल्याण पुलिस एसीपी कल्याणजी घेटे और कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हेमंत ,क्राइम पुलिस निरीक्षक गणेश न्याहदें एवं निरीक्षक संभाजी नाइक और उनकी टीम ने आंदोलन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था चौकबंद की थी। इस आंदोलन में बीजेपी के कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब, विधायक सुलभा गायकवाड, पूर्व नगर सेवक मनोज राय, अभिमन्यु गायकवाड , विजय उपाध्याय , सतेंद्र उपाध्याय, संजय मोरे, मृत्युंजय शुक्ल एवं तमाम महिला कार्यकर्ता एवं सैकड़ों नागरिक इस आंदोलन में शामिल हुए।

'अगर सिनेमा अच्छा हो...' फिल्म 'सैयारा' को लेकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का बयान चर्चा में

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इसके साथ ही मराठी फिल्म 'येरे येरे पैसा 3' की भी चर्चा जोरों में है। चूंकि 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बना रही है। वहीं 'येरे येरे पैसा 3' को दर्शकों का कम रिस्पॉन्स मिल रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इसके साथ ही मराठी फिल्म 'येरे येरे पैसा 3' की भी चर्चा जोरों में है। चूंकि 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बना रही है। वहीं 'येरे येरे पैसा 3' को दर्शकों का कम रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसकी वजह यह है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में कम स्क्रीन मिल रही है। इसकी वजह से यह अब विवाद का विषय बन गई है। राज ठाकरे की मनसे और शिवसेना यूबीटी ने जहां इस पर आपत्ति जताई है। वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने फिल्म को लेकर टिप्पणी की है।अजित पवार ने क्या कहा ?'सैयारा' और मराठी फिल्म 'येरे येरे पैसा 3' को प्राइम टाइम में जगह न मिलने के सवाल पर अजित पवार ने कहा कि मैं आपको बताता हूं। अगर फिल्म अच्छी होती है तो हर कोई फिल्म देखता है। मुझे पुराना जमाना याद है। दादा कोंडके की सात-आठ फिल्में सिल्वर जुबली बनीं।

रेलवे संशोधित ट्रेन संख्याओं के साथ देवलाली-दानापुर-मनमाड स्पेशल ट्रेन चलाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार संशोधित ट्रेन संख्याओं के साथ देवलाली-दानापुर-मनमाड स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया हैः

विशेष ट्रेन संख्या 01153 देवलाली-दानापुर एक्सप्रेस अब विशेष ट्रेन संख्या 01053 देवलाली-दानापुर एक्सप्रेस के रूप में और

विशेष ट्रेन संख्या 01154 दानापुर-मनमाड एक्सप्रेस अब विशेष ट्रेन संख्या 01054 दानापुर-मनमाड एक्सप्रेस के रूप में चलेगी ।उपरोक्त ट्रेनें 23.08.2025 से संशोधित ट्रेन संख्याओं के साथ चलेंगी

विस्तृत ठहराव और समय के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा सूचना

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीजनल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्थाक्षरित ऑनलाइन ओपन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **टेंडर नोटिस नं.** – भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी_52_2025 दिनांक 28/07/2025. **कार्य का नाम** – निम्नलिखित कार्यों के संबंध में 25 केवी, सिंगल फेज, ऐसी ओएचई कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग: **क.** खेरवाड़ी में एफओबी कार्य। **ख.** खेरवाड़ी में पूर्ण कवर सीओपी। **ग.** खेरवाड़ी में यार्ड रीमॉडलिंग कार्य। **घ.** कस्बे सुकेने में पूर्ण कवर सीओपी। **ड.** कस्बे सुकेने में यार्ड रीमॉडलिंग कार्य। **कार्य की लागत** – रु. 5,60,19,584.70/-, **बयाना राशि** – रु. 4,30,100.00/-, **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय** – 22/08/2025 को 15:00 बजे तक, **अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट का पता** – www.ireps.gov.in

सीनियर डिवीज़नल बिजली इंजीनियर (क.वि.)

SUN 04

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

मुंबई मंडल

सं.: एस. 120.टी.ऑक्शन. प्रोग. / अगस्त-25 दिनांक : 14.07.2025

अगस्त 2025 माह के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम।

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, स्क्रैप की बिक्री : अगस्त 2025 माह में निम्नानुसार नीलामी करेंगें: **सुचना :-** भविष्य मे माह की ई-नीलामी कार्यक्रम का प्रकाशन समाचार पत्रिका मे बंद कर दिया जायेगा। तब खरिदार मध्य रेल्वे की वेब साईट www.ireps.gov.in पर माह की ई-नीलामी का कार्यक्रम देख सकते है। अगस्त - 2025 माह के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम निम्नानुसार प्रस्तावित है :-

नीलामी आयोजन करने वाले अधिकारी	नीलामी तिथि एवं दिन			संपर्क क्र.
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक नागपुर	04.08.2025 सोमवार	12.08.2025 मंगलवार	20.08.2025 बुधवार	7219612750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक भुसावल और मनमाड डिपो	05.08.2025 मंगलवार	13.08.2025 बुधवार	21.08.2025 गुरूवार	7219611751
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक पुणे	06.08.2025 बुधवार	14.08.2025 गुरूवार	25.08.2025 सोमवार	7219613750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक मुंबई	07.08.2025 गुरूवार	18.08.2025 सोमवार	26.08.2025 मंगलवार	8828119750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक सोलापुर	08.08.2025 शुक्रवार	19.08.2025 मंगलवार	28.08.2025 गुरूवार	7219614750
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक [ई.टी.एल] मुख्यालय, वरि. सामुग्री प्रबंधक (जी) करी रोड के लिये	04.08.2025 सोमवार	12.08.2025 मंगलवार	20.08.2025 बुधवार	8828110761
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (एम) परेल	06.08.2025 बुधवार	14.08.2025 गुरूवार	25.08.2025 सोमवार	8828119755
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (सीडब्ल्यूई) माटुंगा	05.08.2025 मंगलवार	13.08.2025 बुधवार	21.08.2025 गुरूवार	8828119770
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक [ई.टी.एल] मुख्यालय, सहा. सामुग्री प्रबंधक हाजीबंदर डिपो के लिये	04.08.2025 सोमवार	12.08.2025 मंगलवार	20.08.2025 बुधवार	8828110761
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (एसीएल) भुसावल	07.08.2025 Thursday	18.08.2025 Monday	26.08.2025 Tuesday	7219611750

सुचना :- यदि आवश्यक हो तो पुरक नीलामी मूल तिथि से अगले कार्य दिवस और निलामी के समय पर आयोजित की जाएगी। रेल्वे प्रशासन अपने स्वविवेक से किसी भी पुरक नीलामी को रद्द करने का अधिकार रखता है। **टिप्पणी:- क)** ई-निलामी से कोई भी लॉट वापस लेने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है। किसी भी तदनंतर निलामी ने किसी भी डिपो/मंडलों के किसी भी लॉट की किसी भी उचित तरीके से निलामी करने का अधिकार भी रेलवे के पास सुरक्षित है। मध्य रेल के अन्य डिपो/मंडल के न बिक्री हुए लॉट को भी अन्य डिपो / मंडल की तदनंतर निलामी में बेचा जा सकता है। **ख)** सरकार की नीति के अनुसार जहां क्रय सामग्री की रि-साइकिलिंग से पर्यावरण को नुकसान पहुँचता हो तथा प्रदूषण फैलता हो, ऐसे लॉट्स केवल प्राधिकृत बोलीकर्ताओं को ही बेचे जाएँगे जिनके पास केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) / राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) द्वारा जारी वैध लाइसेंस हो। **ग)** ई-निलामी पुस्तिका www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। **घ)** ई-निलामी, डिजिटल हस्ताक्षर, पंजीकरण, कार्यविधि तथा सहभागीता आदि के संबंध में यदि कोई सहायता अपेक्षित हो तो कृपया निलामी आयोजित करनेवाले उपर्युक्त अधिकारियों अथवा उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिक्री/मुख्यालय से संपर्क करें जिनका मोबाईल नं. 8828110761 तथा ई-मेल पता dycmm.s.cstm@gmail.com, dycmms@cr.railnet.gov.in है।

कृते प्रधान मुख्य सामुग्री प्रबंधक

SUN 313 असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

कन्हा संग तीज कार्यक्रम आयोजित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अग्रोहा विकास ट्रस्ट मुलुंड-भांडुप महिला समिति द्वारा आयोजित ॖकन्हा संग तीजॖ कार्यक्रम ने श्रद्धा, भक्ति और संस्कृति की अनोखी छटा बिखेरी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शारदा दीपकराज लाला अध्यक्ष महिला समिति ने की। उनके कुशल नेतृत्व में यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम के संचालन और आयोजन में समिति की अन्य प्रमुख पदाधिकारियों जागृति मानसिंह ,आरती कनोडिया, खुशबू अग्रवाल ने विशेष सहयोग किया। इस विशेष अवसर पर महिला सदस्यों ने राधा, गोपियां, यशोदा मैया, बाल कृष्ण जैसे विभिन्न पात्रों का रूप धारण कर कृष्ण लीला का मनमोहक मंचन प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को वृंदावन की गलियों की अनुभूति करा दी। इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाने जानी-मानी टीवी अभिनेत्री मुग्धा शाह भी उपस्थित रही। जिनकी उपस्थिति ने दर्शकों को खासा उत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान समिति की सदस्यों और अतिथियों ने तीज पर्व की महत्ता पर भी प्रकाश डाला और महिला सशक्तिकरण तथा सांस्कृतिक संरक्षण का संदेश दिया।

श्री पुनीत अग्रवाल ने भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

29 जुलाई 2025 को भारतीय रेलवे सेवा के 1996 बैच के विद्युत अभियंता (IRSEE) अधिकारी श्री पुनीत अग्रवाल ने भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह कार्यभार श्रीमती इति पांडे से ग्रहण किया ।इस नियुक्ति से पूर्व श्री अग्रवाल ने नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) में प्रतिनियुक्ति पर मुख्य परियोजना प्रबंधक के रूप में कार्य किया है ।श्री पुनीत अग्रवाल को परियोजना प्रबंधन एवं विकास, रणनीतिक प्रबंधन, कॉर्पोरेट मामलों, मालवहन एवं लॉजिस्टिक्स, शहरी परिवहन, बहुपक्षीय वित्तपोषण, उच्च मूल्य की खरीद प्रक्रियाएं, रेलवे संचालन, रोलिंग स्टॉक का परिचालन एवं अनुरक्षण, रेलवे विद्युतीकरण, हरित ऊर्जा, मानकीकरण व गुणवत्ता तथा कॉर्पोरेट कानून (अनुबंध कानून, कंपनी कानून आदि) के क्षेत्रों में गहरा अनुभव प्राप्त है ।भारतीय रेल तथा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) में अपने उत्कृष्ट सेवा कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारतीय इंजीनियरिंग सेवा के अंतर्गत विभिन्न पदों पर कार्य किया है। परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु योजना निर्माण व समय प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, अनुरक्षण रणनीतियाँ, समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (TQM) तथा करड कार्यान्वयन जैसे विविध क्षेत्रों में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सीवरेज संचालन विभाग

क्र. उप.मुख्य अभियंता (एस.ओ.)/ 2105/ईएस, दिनांक 29.07.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है. निविदा प्रति मनपा पोर्टल (**http://www.mcgm.gov.in**) के ई-प्रोक्योरमेंट अनुभाग से डाउनलोड की जा सकती है.

संपर्क अधिकारी का नाम एवं दूरभाष क्रमांक (कार्यालय) / मोबाइल क्रमांक (यदि उपलब्ध हो) : श्री एस. एस. वलंजू, कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी) (सीवरेज), पूर्व उपनगर
श्री यू. एस. डोके, सहायक अभियंता (यांत्रिकी) (सीवरेज), पूर्व उपनगर
दूरभाष क्रमांकः 25251347
ईमेल आईडी : **eemechses.so@mcgm.gov.in**

क्र. सं.	कार्य का विवरण	ईएमडी रु.	बोली आरंभिक तिथि एवं समय	बोली समाप्ति तिथि एवं समय	निविदा शुल्क (रु.)	निष्पादन अवधि/ अनुबंध अवधि
1	न्यू देवनार पम्पिंग स्टेशन में कंपाउंड वॉल पर जीआई वेदर शेड, जीआई शीट प्रोफाइल के साथ एमएस सपोर्ट स्ट्रक्चर का फैब्रिकेशन, आपूर्ति तथा उत्थापन तथा संबंधित कार्य. (निविदा आईडी-2025_एमसीजीएम_1204702_1)	रु. 8,800/-	30.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे से	13.08.2025 को अपराह्न 16:00 बजे	रु. 1,452/- + 18% जीएसटी	30 दिन (मानसून सहित)

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता यांत्रिकी (सीवरेज), पूर्व उपनगर

पीआरओ/1140/विज्ञा./2025-26

जहां तक संभव हो, घर पर तैयार और ताजे खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें.

दिल्ली में प्रस्तावित सांस्कृतिक भवन की रूपरेखा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपी गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , दिल्ली में आयोजित 98वें अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के समारोप समारोह में महाराष्ट्र सरकार द्वारा दिल्ली में एक बहुउद्देशीय सांस्कृतिक भवन स्थापित किए जाने की घोषणा की गई थी। इसके लिए महाराष्ट्र सदन परिसर में स्थल निर्धारित किया गया है और इसका प्रस्तावित आराखड़ा हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को निवासी आयुक्त तथा सचिव आर. विमला द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस के दिल्ली दौरे के दौरान महाराष्ट्र सदन से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें श्रीमती आर. विमला ने विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की। बैठक में सांस्कृतिक भवन के विषय पर विशेष रूप से विस्तार से चर्चा की गई। प्रस्तावित भवन में बहुउद्देशीय सभागार, भारतीय प्रशासनिक सेवा की विभिन्न परीक्षाओं के लिए पात्र उम्मीदवारों के लिए निवास व्यवस्था, एक विस्तृत पुस्तकालय और अध्ययन कक्ष तथा अन्य सहायक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की योजना है। श्रीमती विमला ने महाराष्ट्र सदन परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों के निवास स्थान तथा अन्य प्रशासनिक पहलुओं से संबंधित विस्तृत प्रस्तुति भी दी। इसके साथ ही, महाराष्ट्र के ऋतु-विशेष फलों की प्रदर्शनी और विक्रय केंद्र तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री हेतु एक स्थायी प्रदर्शनी केंद्र की योजना की जानकारी भी दी गई। दिल्ली में एक ₹महाराष्ट्र महोत्सव₹ आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा गया, जिसमें महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति को दशार्ने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे। इस आयोजन के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाया और आगामी कार्यवाही के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

कमीशन के कारण ठाणे में परियोजनाएँ ठप, राजन विचारे ने सत्ताधारी दल पर लगाया आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे में नया ठाणे स्टेशन, सैटिस पूर्व परियोजना जैसी कई परियोजनाएँ कमीशन के कारण ठप पड़ी हैं। शिवसेना यूबीटी नेता और पूर्व सांसद राजन विचारे ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी दल इन परियोजनाओं को बढ़ावा देने में विफल रहा है। राजन विचारे ने सोमवार को सैटिस पूर्व परियोजना के गर्डर बिछाने के काम का निरीक्षण किया और मीडिया से बात करते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। पूर्व सांसद राजन विचारे की संकल्पना पर आधारित सैटिस 2 परियोजना में कोपरी रेलवे पुल पर गर्डर बिछाने का काम पिछले दो दिनों से चल रहा है। विचारे ने सोमवार को ठाणे मनपा के अधिकारियों और रेलवे प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक निरीक्षण दौरा आयोजित किया और इस गर्डर के काम की स्थिति का जायजा लिया। विचारे ने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि सत्ता में बैठा कोई भी जनप्रतिनिधि यहाँ नहीं आया और न ही एक साधारण निरीक्षण किया। विचारे ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट राजनीति और दिखावे में व्यस्त रहा, इसलिए उन्हें विकास के लिए कुछ नहीं मिला।

ट्रैफि क जाम की समस्या जल्द दूर होगी

यहाँ 4.50 मीटर के पाँच गर्डर हैं और ये गर्डर बिछाए जाने वाले हैं। इन पुलों को आपस में जोड़कर उन पर स्टील कंक्रीट बिछाकर 2.24 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। इससे ठाणे पूर्व स्टेशन क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफि क जाम की समस्या जल्द ही दूर हो जाएगी। अधिकारियों ने शिवसेना यूबीटी नेता राजन विचारे को आश्वासन दिया है कि यह परियोजना सितंबर के अंत तक पूरी हो जाएगी। इस परियोजना को वर्ष 2018 में मंजूरी मिली थी। इसके बाद, इसे स्मार्ट सिटी के अंतर्गत शामिल करने के लिए केंद्र सरकार और तत्कालीन मनपा आयुक्त संजीव जायसवाल के साथ इस परियोजना पर चर्चा की गई। कुल 298 करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जिनमें 261 करोड़ और रेलवे पुल के लिए 39 करोड़ रुपये शामिल हैं। दिल्ली के आईआरडीसी विभाग से भी मंजूरी मिल गई। सैटिस डेक का शिलान्यास 19 फरवरी, 2022 को हुआ। इस परियोजना का काम चरणों में शुरू हुआ। इस मार्ग पर 59 खंभे खड़े किए गए थे। लेकिन रेलवे द्वारा पिछले एक साल से ब्लॉक न लेने के कारण गर्डर बिछाने में देरी हुई। शिवसेना नेता राजन विचारे ने आरोप लगाया है कि मौजूदा सांसद संसद में फोटो खिंचवाने में व्यस्त रहते हैं और ज्यादातर सांसदों के पास विकास कार्यों पर ध्यान देने का समय ही नहीं है।

फास्ट ट्रैक

ठाणे में अनधिकृत निर्माणों का मास्टरमाइंड कौन है:एड विक्रांत चव्हाण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे शहर में अनधिकृत निमार्णों को लेकर उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया था और मनपा आयुक्त को अपनी मौजूदगी में कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद, शहर में बड़ी संख्या में अनधिकृत निर्माण कार्य अभी भी जारी हैं। हालाँकि, इन निमार्णों पर कार्रवाई करते समय अधिकारी ढिलाई बरतते नजर आ रहे हैं। हाल ही में, मनपा आयुक्त ने ऐसी इमारतों को किसी भी हालत में बिजली न देने के आदेश दिए हैं। अनाधिकृत निर्माण को लेकर ठाणे कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने कहा कि वर्तमान में येउर सहित ठाणे शहर में 300 से ज्यादा अनधिकृत निर्माण चल रहे हैं। जब मैंने 2021 में ऐसे अनधिकृत निमार्णों की शिकायत की थी, तो लोकायुक्त ने अनधिकृत निमार्णों को बिजली और पानी न देने का आदेश दिया था, लेकिन इमारतों को बिजली और पानी की आपूर्ति की गई। तो क्या लोकायुक्त के आदेश के बाद भी बिजली और पानी की आपूर्ति करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी? अनधिकृत निर्माण मामले में सहायक आयुक्त की जांच का क्या हुआ? क्या येउर वन क्षेत्र में बिना अनुमति निर्माण की अनुमति देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी? अनधिकृत निर्माण किसके आशीर्वाद से हुए, इसमें किसका पैसा लगा है, डेवलपर कौन है, बिजली-पानी उपलब्ध कराने वाला अधिकारी कौन है, ठाणे में कौन मालिक है जो इन निमार्णों को नियंत्रित करता है, जैसे कई सवाल उठाते हुए इन सभी की जांच होनी चाहिए और भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि यह एक तरह का संगठित अपराध है। अब से, अनधिकृत निमार्णों को हटाने की सभी गतिविधियाँ अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। उन्होंने इस आशय मांग एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। उनके साथ मुख्य प्रवक्ता राहुल पिंगले और प्रवक्ता हिंदूराव गलवे मौजूद थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आयुक्त इस संबंध में ठोस रुख नहीं अपनाते हैं, तो वे जनहित याचिका दायर करेंगे।

ठाणे जिला अस्पताल एमएमआर के नागरिकों के लिए वरदान साबित होगा - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जिला अस्पताल का काम जल्द पूरा करके नागरिकों की सेवा में शुरू करने के लिए काम में तेजी लाई जाए। यह अस्पताल मुंबई महानगर क्षेत्र के नागरिकों के लिए वरदान साबित होगा और इसमें नवीनतम उपकरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ 1078 नए पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। ऐसा निर्देश उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज दिया है। इस दौरान, उपमुख्यमंत्री श्री शिंदे ने राज्य के मनपा अस्पतालों में निवारक उपाय के रूप में महिलाओं के लिए कैंसर जांच अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री श्री शिंदे की अध्यक्षता में मंत्रालय के समिति कक्ष में आयोजित एक बैठक में ठाणे जिला सामान्य अस्पताल के निर्माण कार्य की समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर, उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, प्रधान सचिव नवीन सोना, स्वास्थ्य विभाग के सचिव निपुण विनायक, वीरेंद्र सिंह, वित्त विभाग की सचिव ए. शैला, स्वास्थ्य विभाग की आयुक्त कादंबरी बलकवड़े, ठाणे जिला कलेक्टर अशोक शिनगारे, स्वास्थ्य निदेशक, संयुक्त निदेशक, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार आदि उपस्थित थे। ठाणे जिला अस्पताल का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और 500 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल, 200 बिस्तरों वाले महिला अस्पताल और 200 बिस्तरों वाले रेफरल सेवा अस्पताल सहित कुल 900 बिस्तरों का निर्माण किया जा रहा है। इसका 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और विद्युतीकरण, उपकरणों की स्थापना आदि का कार्य चल रहा है। दिसंबर के अंत तक निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और 900 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के लिए लगभग 1078 नए पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला अस्पताल का निर्माण पूरा करते हुए आधुनिक उपकरण लगाने पर जोर दिया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रालय में इस अस्पताल के कार्यों की समीक्षा के लिए प्रत्येक मंगलवार को एक बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि यह जिला अस्पताल ठाणे जिले के साथ-साथ रायगढ़, नवी मुंबई और पालघर के नागरिकों के लिए एक वरदान साबित होगा। इस बीच, ठाणे जिला अस्पताल की समीक्षा करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने राज्य के मनपा अस्पतालों में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उपचार के बजाय रोकथाम पर जोर देने के लिए इस जांच अभियान को चलाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य मंत्री और सचिव राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, वहाँ आवश्यक दवाओं और सामग्रियों की समीक्षा के लिए औचक निरीक्षण करें।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में कांग्रेस पुरी तरह फेल हुई है- सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे

पिछले 10 वर्षों में महाराष्ट्र में एक भी आतंकवादी हमला नहीं हुआ।

हमें भारतीय सेना पर गर्व है– डॉ.श्रीकांत शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. कल्याण लोकसभा के सांसद और लोकसभा में शिवसेना संसदीय दल के नेता डॉ.श्रीकांत शिंदे ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही चर्चा पर बोलते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा की कांग्रेस आतंकवाद से लड़ने में पूरी तरह विफल रही है। देश की सुरक्षा के मुद्दे पर शिवसेना कोई समझौता नहीं करेगी और कांग्रेस जैसी विफल नीतियों को देश पर दोबारा हावी नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे कहा कि 26/11 जैसे आतंकी हमले के बाद महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री बॉलीवुड सितारों को लेकर घटनास्थल का 'टूर' कर रहे थे, यह देश के लिए बेहद शर्मनाक पल था। कांग्रेस के कार्यकाल में कई आतंकी हमले हुए और इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जाने गई यह कांग्रेस की विफलता की वजह से हुई है लेकिन आज देश मजबूत हाथों में है और पिछले 10 सालों में महाराष्ट्र में एक भी आतंकी हमला नहीं हुआ है। सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा करते हुए कांग्रेस से सवाल करते हुए कहा की पहलगाम में मारे गए निर्दोष लोगों को हमारी सरकार ने पूरा न्याय दिया है लेकिन 2006 ब्लास्ट में मारे गए 127 लोगो को कब न्याय मिलेगा?

कांग्रेस से सीधा सवाल

डॉ.श्रीकांत शिंदे जी ने कांग्रेस से सीधा सवाल करते हुए कहा की पोटा कानून जिसे बीजेपी सरकार ने शुरू किया था उसे क्यों बंद किया गया ? इस कानून के बंद होने के बाद कई आतंकी हमले हुए है। भोपाल गैस के आरोपी को भगाने का काम कांग्रेस ने किया है। अफजल गुरु को लेकर कांग्रेस में इतनी सहानुभूति क्यों थी? सदन में अपनी बात रखते हुए कहा की बाला साहब ठाकरे जी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को साफ शब्दों में कहा था की अफजल गुरु को फांसी दी जाय और उसे फांसी दी गई।

यूबीटी सेना को घेरा भरी सदन में

डॉ.श्रीकांत शिंदे जी ने सदन में यूबीटी सेना के सांसद अरविंद सावंत को घेरते हुए कहा कि अरविंद सावंत सरकार से पूछते है की 2006 के पीड़ित लोगों को इंसाफ कब मिलेगा में उनसे कहता हु की जहां बैठे है वही अपने सहयोगी से पूछ ले जवाब मिल जाएगा। 1993 ब्लास्ट का आरोपी इकबाल मूसा जो लोकसभा चुनाव में एक उमीदवार का प्रचार करता है वह किसके प्रचार में आया था यह भी अरविन्द सावंत को बताना चाहिए।

नाग पंचमी पर ग्राम नदिनी में खेल प्रतियोगिता

कूड़ी, नाल, लोड और कबड्डी में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम; विजेताओं को मिले पुरस्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, मीरजापुर के ग्राम सभा नदिनी में नाग पंचमी के अवसर पर प्राचीन अखाड़े पर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान भोलेनाथ की पूजा के साथ हुआ। इसके बाद कूड़ी, नाल, लोड और कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कूड़ी प्रतियोगिता में शुभम यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विकास सिंह द्वितीय और बेटू मिश्र तीसरे स्थान पर रहे। 8 मन नाल प्रतियोगिता में दिनेश शुक्ल प्रथम स्थान पर रहे। 6 मन नाल में संदीप यादव ने स्वर्ण पदक और उदय यादव ने रजत पदक हासिल किया। लोड प्रतियोगिता में गुड्डू यादव ने स्वर्ण पदक जीता। मेले की अध्यक्षता रमाकांत मिश्र ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन शंकर गौड़ ने किया। मेला प्रभारी विजय मिश्र ने सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर राम तवंकल मिश्र, शांति प्रकाश मिश्र, मदन पाठक, सभा शंकर यादव, अवध नारायण सिंह, राजेन्द्र मिश्र, जीत सिंह, पप्पू पाठक और विपिन मिश्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज मंच पर दिव्या देशमुख ने बढ़ाया भारत का गौरव

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विश्व विजेता ग्रँडमास्टर दिव्या देशमुख को दी बधाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतकर ग्रँडमास्टर दिव्या देशमुख ने भारत का मान गर्व से ऊँचा कर दिया है। खास बात यह है कि महाराष्ट्र की पहली महिला ग्रँडमास्टर के रूप में विश्वविजेता बनकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शतरंज की दुनिया में महाराष्ट्र का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए दिव्या देशमुख को पूरे महाराष्ट्र की ओर से हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने उपविजेता ग्रँडमास्टर कोनेरू हम्पी को भी शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस ने कहा कि इन दोनों भारतीय खिलाड़ियों की चालों पर पूरे विश्व का शतरंज जगत टकटकी लगाए देख रहा था। यह भारतीय शतरंज के लिए एक अनोखा और गर्व का क्षण है। अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस ने कहा, ह्लमहिला विश्व चैंपियनशिप में अपने दूसरे ही प्रयास में दिव्या ने एक भारतीय कीर्तिमान स्थापित किया है। वह महिला कैंडिडेट्स टूनामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली किशोरवयीन शतरंज खिलाड़ी बनी हैं। अब वे भारत की चौथी महिला ग्रँडमास्टर भी बन चुकी हैं। अब तक उन्होंने 40 बार भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हुए 35 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस ने यह भी कहा, विश्व खिताब के लिए दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुआ यह मुकाबला पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। शतरंज जैसे खेल में भारतीय महिला खिलाड़ियों की यह छलांग अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिव्या और कोनेरू की चालें एक-दूसरे की बराबरी की थीं। दोनों ने अपनी प्रतिभा से इतिहास रच दिया है। भारत को एक और ग्रँडमास्टर शतरंज खिलाड़ी मिली है झ वह भी महाराष्ट्र से। इन दोनों का यह यशस्वी सफर देश के नवोदित खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा और भारत की खेल प्रतिष्ठा को और भी ऊँचाई देगा। ह्लग्रँडमास्टर दिव्या देशमुख की यह विश्वविजयी उपलब्धि महाराष्ट्र के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने योग्य क्षण है। इस उपलब्धि के लिए दिव्या देशमुख को हार्दिक बधाई। उनके सतत प्रयास और सफलताओं के पीछे खड़े प्रशिक्षकों, मार्गदर्शकों और उनके माता-पिता तथा देशमुख परिवार को भी दिल से शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि दिव्या कैंडिडेट्स टूनामेंट में भी इसी तरह की सफलता हासिल करेंगी। उन्हें ढेरों शुभकामनाएं,ह्व ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने संदेश में कहा।

शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर ने जनता की समस्याओं को लेकर नपा मुख्याधिकारी से समीक्षा बैठक की।

पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने नपा मुख्याधिकारी से शहर की अनेकों समस्याओं और मुद्दों को लेकर चर्चा की।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ वासियों की विभिन्न समस्याओं और जनता से संबंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर मंगलवार 29 जुलाई को शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड और अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई -

अंबरनाथ में यातायात नियंत्रण की दृष्टि से वैभव होटल, सीएनजी पंप और पूर्व दिशा में टी-सर्किल पर सिग्नल लगाने पर चर्चा हुई।

शहर में गणेशोत्सव से पहले सड़कों की मरम्मत करने और उन्हें गड्ढामुक्त करने पर चर्चा हुई।

शहर की मुख्य सड़कों पर गड्ढे, जलनिकासी व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों, नालों के ओवरफ्लो आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने संबंधित अधिकारियों को इस पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गणेशोत्सव के दौरान कृत्रिम तालाबों की अनुमति पर समय व्यर्थ न किया जाए।

विद्युत विभाग के अधीन शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत पोल एवं हाईमास्ट के बंद या क्षतिग्रस्त हो जाने पर उन्हें तत्काल ठीक किया जाए।

अंबरनाथ पूर्व और पश्चिम के श्मशान घाटों की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए। उनके रखरखाव, प्रबंध, वृक्षों के रखरखाव, विद्युत प्रबंध, मिट्टी भराई आदि की व्यवस्था की जाए।

शहर में कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिक्रमणकारियों, अनधिकृत फेरीवालों के कारण यातायात जाम की स्थिति को दूर किया जाए।

यदि संभव हो तो नागरिकों के लिए कर राहत संबंधी कुछ योजनाएं लागू की जाए।

नगर परिषद के माध्यम से पेड़ों की छंटाई नहीं की जा रही है और शिकायत करने पर नागरिकों से पैसे की मांग की जा रही है। इसकी विस्तृत जाँच होनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग में सफाई कर्मचारियों की संख्या और प्रत्येक विभाग में कर्मचारियों के समय पर पहुंचने पर ध्यान दिया जाए।

नगर परिषद सीमा के अंतर्गत प्रत्येक अनुभाग में माह में दो बार स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने पर ध्यान देना तथा शहर में विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली दवाओं का छिड़काव किया जाए।

इस समीक्षा बैठक में पूर्व उप नगराध्यक्ष राजेंद्र वालेकर, युवा सेना निरीक्षक कल्याण भिवंडी लोकसभा एडवोकेट निखिल वलेकर, शिवसेना उपशहर प्रमुख पद्माकर दिघे, राजू शिर्के, प्रकाश डावरे सर, किसन गायकर, अरुण कुमार सिंह, अरविंद मालुसरे, संजय सावंत, दीपक पवार आदि उपस्थित रहे।

स्कूल जाती 11वीं की छात्रा से छेड़छाड़

विरोध पर आरोपी ने दी अपहरण की धमकी, पीड़िता के पिता की शिकायत पर केस दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, 11वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा के साथ स्कूल जाते समय छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। थाना रोजा क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी जिस वाहन से रोज स्कूल जाती है, एक युवक उसका पीछा करता है। आरोपी लगातार उसका पीछा कर छेड़छाड़ करता रहता है। जब छात्रा इसका विरोध करती है, तो आरोपी उसके साथ गाली-गलौज करता है और जान से मारने की धमकी देता है। पिता के अनुसार, आरोपी ने छात्रा को उसके घर से या रास्ते से उठा ले जाने की भी धमकी दी है। पीड़ित ने अपने परिवार और बेटी की जान का खतरा जताया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मतदाता सूची को आधार से जोड़ने की शिवसेना ने की चुनाव आयोग से मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव से पहले मतदाता सूची को आधार संख्या से जोड़ने और सूची की जांच कर बांग्लादेशी नागरिकों के नाम हटाने की मांग शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय चुनाव आयोग से की। इस प्रतिनिधिमंडल में राज्य के उद्योग मंत्री और शिवसेना नेता उदय सामंत, मंत्री शंभूराज देसाई, सांसद मिलिंद देवरा और पूर्व सांसद राहुल शेवाले शामिल थे। इस प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और आयुक्त डॉ. विवेक जोशी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की । मंत्री उदय सामंत ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधिमंडलों और पार्टी प्रमुखों से संवाद करने की एक सराहनीय पहल शुरू की गई है, इसी के तहत आज मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के निर्देश पर यह प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला है। उदय सामंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक देश, एक चुनाव की संकल्पना को एकनाथ शिंदे पहले ही समर्थन दे चुके हैं, और इस संबंध में शिवसेना की राय आयोग को बताई गई। मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने पर भी आयोग के साथ चर्चा हुई ताकि चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सके। उदय सामंत ने कहा कि मुंबई जैसे महानगरों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक निवास करते हैं, इसलिए नगर निगम और अन्य स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव से पहले मतदाता सूचियों की जांच आवश्यक है यदि मतदाता सूची में बांग्लादेशी नागरिकों के नाम पाए जाते हैं, तो उन्हें तत्काल हटाया जाए–ऐसी मांग शिवसेना ने चुनाव आयोग के समक्ष हमने की है।

मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी का मामला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, समाजवादी पार्टी महिला सभा की पदाधिकारियों ने एसपी कार्यालय में सीओ को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सीओ सिटी पंकज पंत से मुलाकात की। उन्होंने प्रार्थना पत्र में बताया कि मैनपुरी सांसद डिंपल यादव हमेशा महिला सशक्तिकरण और सम्मान की बात करती रही हैं। महिला सभा के अनुसार मौलाना साजिद रशीदी ने सार्वजनिक मंच पर डिंपल यादव के खिलाफ अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उनका कहना है कि यह टिप्पणी न केवल सांसद का अपमान है

भारत संवाद परिवार

1–संरक्षक–भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2–संरक्षक–भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3–संरक्षक–भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4–कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5–उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

नीदरलैंड ने इजराइल के 2 कट्टर मंत्रियों पर बैन लगाया

गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप, अब तक 7 देशों ने प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

एम्सटर्डम, नीदरलैंड ने इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच और सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-ग्विर के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इन पर गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने के आरोप हैं। नीदरलैंड से पहले 6 देश इन दोनों नेताओं के अपने देश में आने पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। डच विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने सोमवार को कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि इन मंत्रियों ने बार-बार फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दिया है, अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार की वकालत की है और गाजा में जातीय सफाए की बात कही है। वेल्डकैंप ने यह भी कहा कि नीदरलैंड में इजराइली राजदूत को तलब किया जाएगा और उनसे अपील की जाएगी कि वे नेतन्याहू सरकार से अपना रवैया बदलने को कहें। उन्होंने मौजूदा हालात को बुरा बताते हुए कहा कि नीदरलैंड हमास पर युद्धविराम के लिए दबाव बढ़ाने को भी तैयार है।

नीदरलैंड के इस फैसले पर इजराइली मंत्री इतमार बेन ग्विर ने नाराजगी जताई। उन्होंने मंगलवार को कहा कि चाहे उन्हें पूरे यूरोप में घुसने से रोक दिया जाए, वे इजराइल के लिए काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने हमास को खत्म करने और इजराइली सैनिकों का समर्थन करने की मांग की। उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वहां हमेशा पीड़ितों को ही दोषी ठहराया जाता है। बेन-ग्वीर ने कहा कि यूरोप एक ऐसी जगह है जहां आतंकवाद को बर्दाश्त किया जाता है और आतंकवादियों का स्वागत होता है। वहां आतंकवादी आजाद घूम रहे हैं और यहूदियों का बहिष्कार किया जा रहा है। बेन-ग्वीर पहले इजराइल में नस्लवाद भड़काने और एक आतंकवादी संगठन का समर्थन करने के मामले में दोषी ठहराए जा चुके हैं। हालांकि अब वह इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री हैं और स्मोट्रिच वित्त मंत्री हैं। गौरतलब है कि इजराइली मंत्रियों बेन ग्विर और स्मोट्रिच की एंट्री पर बैन लगाने वाला नीदरलैंड एकलौता देश नहीं है। इससे पहले 9 जून को ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे और ब्रिटेन ने भी एकसाथ उन पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि अमेरिका ने इस पर नाराजगी जाहिर की थी और इसे गैरजरूरी बताया था। इन पांचों देशों ने एक संयुक्त बयान में कहा था कि इन मंत्रियों ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काई है।

इसलिए उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी और उन पर इन देशों में यात्रा करने पर रोक लगाई जाएगी। इसके बाद 17 जुलाई को स्लोवेनिया ने इन दोनों मंत्रियों पर बैन लगा दिया था। यानी कि अब तक 7 देश बेन ग्विर और स्मोट्रिच पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। इस बीच, सोमवार को इजराइल और नीदरलैंड के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब डच प्रधानमंत्री मार्क शूफ ने गाजा में मानवीय संकट के कारण इजराइल के खिलाफ कड़े यूरोपीय कदम उठाने की बात कही। शूफ ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने अपने विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और डिप्टी प्रधानमंत्रियों के साथ एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है ताकि गाजा की ह्यभयावह स्थितिह्न पर चर्चा की जा सके। शूफ ने कहा कि नीदरलैंड गाजा में तुरंत और बिना शर्त मानवीय सहायता देने का समर्थन करता है। डच प्रधानमंत्री की चेतावनी के जवाब में इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, माफ कीजिए प्रधानमंत्री, लेकिन आपका ट्वीट हमारी फोन पर हुई बातचीत की सही झलक नहीं दिखाता।

ट्रम्प ने लंदन के मुस्लिम मेयर को घिनौना इंसान बताया

कहा- सादिक खान ने खराब काम किया; ब्रिटिश पीएम बोले- वो मेरे दोस्त

एजेंसी

टर्नबेरी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर लंदन के मेयर सादिक खान पर हमला बोला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ स्कॉटलैंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने खान को नैस्टी पर्सन यानी घिनौना इंसान कह दिया और उनके कामकाज की आलोचना की। उनके इस बयान पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तुरंत कहा कि वो (सादिक खान) मेरे दोस्त हैं। हालांकि ट्रम्प अपने बयान पर अड़े रहे और दोबारा दोहराया कि उन्होंने बहुत ही खराब काम किया है। लेकिन मैं निश्चित रूप से लंदन आऊंगा। यह पहली बार

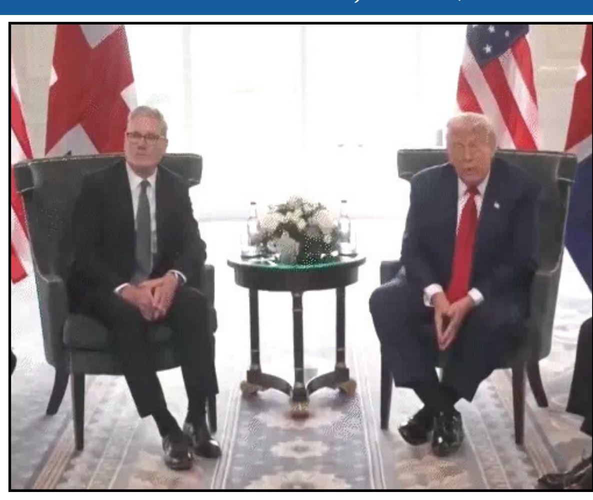

नहीं है जब ट्रम्प ने सादिक खान पर हमला किया है। 2019 में भी उन्होंने खान को नाकाम इंसान कहा था और उन्हें सलाह दी थी कि वह लंदन में अपराध पर ध्यान दें। तब भी ट्रम्प ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर थे और लंदन आने से ठीक पहले ही उन्होंने ट्विटर पर खान को निशाने पर लिया था। ट्रम्प पहले खान को आईक्यू टेस्ट की चुनौती भी दे चुके हैं और 2017 के लंदन ब्रिज हमले के बाद उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना भी कर चुके हैं। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में खान पर आतंकवाद से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था और उन्हें स्टोन कोल्ड लूजर (बिल्कुल नाकाम इंसान) और बहुत मूर्ख कहा था। मेयर को खुशी है कि ट्रम्प दुनिया के सबसे महान शहर में आना चाहते हैं। अगर वे लंदन आएंगे तो देखेंगे कि हमारी विविधता हमें कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत बनाती है। गरीब नहीं, बल्कि अमीर बनाती है। हालांकि, दिसंबर 2024 में एएफपी को दिए इंटरव्यू में खान ने कहा था कि अमेरिकी जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है और अब सभी को चुनाव के नतीजों का सम्मान करना चाहिए। 1970 में जन्मे सादिक खान लंदन के पहले मुस्लिम मेयर है। वे मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके पिता पाकिस्तान में ड्राइवर का काम करते थे। वे कुछ समय बाद इंग्लैंड आ गए। 24 साल की उम्र तक उन्होंने बेहद गरीब हालात में जिंदगी जी। पिता रेड बस चलाते थे। लेकिन पॉलिटिक्स में शुरूआत से ही उनकी रुचि थी। 15 साल की उम्र में वे लेबर पार्टी से जुड़ गए थे। करियर की शुरूआत ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के रूप में की।

चीन में बच्चा पैदा करने पर 1.30 लाख देगी सरकार

वन चाइल्ड पॉलिसी की वजह से 7 साल में जन्मदर आधी हुई, 21% आबादी बुजुर्ग

एजेंसी

बीजिंग, चीन में बच्चा पैदा करने पर सरकार ने माता-पिता को 1.30 लाख रुपए देने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम जन्मदर में लगातार हो रही कमी को लेकर उठाया है। चाइना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे के जन्म के बाद सरकार लगातार 3 साल तक माता-पिता को सालाना 3600 युआन (करीब 44,000 रुपए) देगी। चीन की 21% आबादी की उम्र 60 साल से ज्यादा है। चीन ने करीब एक दशक पहले अपनी विवादास्पद ₹वन चाइल्ड पॉलिसी₹ खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद जन्म दर कम होती जा रही है। दुनिया के बड़े देशों में चीन की जन्म दर सबसे कम है और यह लगातार घटती जा रही है। 2016 में चीन में 1.8 करोड़ बच्चे पैदा हुए थे। 2023 में यह संख्या 90 लाख पर आ गई। सिर्फ 7 साल में चीन में बच्चे पैदा होने की रफ्तार में 50% फीसदी कमी आई। 2024 में इसमें थोड़ा इजाफा हुआ और यह 95 लाख हुई, लेकिन जनसंख्या में कुल गिरावट जारी रही क्योंकि मृत्यु दर जन्म दर से अधिक रही। जिन माता-पिता के बच्चों की उम्र तीन साल से कम है, उन्हें सरकार हर साल नकद पैसे देगी। ये योजना 1 जनवरी 2025 से लागू मानी जाएगी। इसमें वो बच्चे भी शामिल होंगे जिनकी उम्र अभी तीन साल से कम है। ऐसे बच्चे जिनके पास चीनी नागरिकता है, उन्हें तीन साल का होने तक प्रति वर्ष 3,600 युआन (करीब 502 अमेरिकी डॉलर) दिए जाएंगे। अगर कोई बच्चा पहले पैदा हुआ है, लेकिन

अभी तीन साल से छोटा है, तो उसे भी उतने महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे, जितने महीने वो इस योजना के दायरे में आता है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि ये पहली बार है जब पूरे देश में एक जैसी बाल देखभाल सब्सिडी दी जा रही है। इससे लगभग दो करोड़ परिवारों को हर साल फायदा मिलने की उम्मीद है। पहले चीन के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरह की योजनाएं चलती थीं, जिनमें ज्यादातर सब्सिडी सिर्फ दूसरे या तीसरे बच्चे पर दी जाती थी, लेकिन इस नई योजना में पहले, दूसरे और तीसरे सभी बच्चों को बराबर मदद दी जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ सालों में चीन में पहले बच्चे के जन्म में सबसे ज्यादा गिरावट आई है, इसलिए ये योजना इस समस्या को भी ठीक करने में मदद करेगी। साथ ही यह भी कहा गया कि केवल पैसे देने से ही जन्म दर नहीं बढ़ेगी, बल्कि इसे मातृत्व छुट्?टी, बच्चों की देखभाल सेवाओं, स्कूलों और घर जैसी दूसरी सुविधाओं से भी जोड़ना जरूरी है। सरकार की योजना है कि अगस्त 2025 के अंत तक पूरे देश में इस सब्सिडी के लिए आवेदन लेना शुरू कर दिया जाएगा। चीन सरकार अलग-अलग क्षेत्रों को उनके आर्थिक हालात के हिसाब से मदद देगी और स्थानीय सरकारें चाहें तो अपनी तरफ से सब्सिडी की राशि बढ़ा भी सकती हैं, लेकिन उसका खर्च उन्हें खुद उठाना होगा। बच्चों की परवरिश के मामले में चीन दुनिया के सबसे महंगे देशों में से एक है।

यंग पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, एक बच्चे को 17 साल की उम्र तक पालने में औसतन 56 लाख रुपए खर्च होते हैं। जनवरी में सरकारी आंकड़ों से पता चला कि 2024 में चीन की आबादी लगातार तीसरे साल घटी। 2024 में 95.4 लाख बच्चे पैदा हुए, जो पिछले साल से थोड़ा ज्यादा है। वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के मुताबिक, 2100 तक चीन की आबादी घटकर लगभग 1 अरब या उससे भी कम रह सकती है। जनसांख्यिकी विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट चीन के आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर बड़ा असर डाल सकती है।

अमेरिका में ड्रीमलाइनर प्लेन से मिला मेडे कॉल

आसमान में बोइंग-787 के इंजन में खराबी आई; अहमदाबाद में इसी मॉडल का विमान क्रैश हुआ था

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका में यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान 'बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर' के लेफ्ट इंजन में उड़ान के दौरान खराबी आ गई। हादसे के वक्त प्लेन 5000 फीट की ऊंचाई पर था, जिसके बाद पायलटों ने ₹मेडे कॉल₹ (इमरजेंसी का मैसेज) भेजा। यह हादसा 25 जुलाई को हुआ था, जिसकी खबर अब सामने आई है। पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (अळउ) के साथ मिलकर हालात को संभाला।

फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, प्लेन 2 घंटे 38 मिनट तक हवा में रहा। इसने राजधानी वॉशिंगटन के उत्तर-पश्चिम में चक्कर लगाते हुए ईंधन खाली किया, ताकि लैंडिंग के लिए वजन कम हो सके। 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया का जो प्लेन क्रैश हुआ था, वह बोइंग कंपनी '787-8 ड्रीमलाइनर' का ही था। तब यह विमान' टेकऑफ के दो मिनट बाद ही क्रैश हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। बोइंग दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरर कंपनी है। फ्रांस की एयरबस कंपनी पिछले महीने ही सबसे बड़ी कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरर बनी है। यूनाइटेड एयरलाइंस के पायलटों ने 5000 फीट की ऊंचाई पर ही ईंधन खाली करने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद एटीसी ने उन्हें दूसरी उड़ानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए गाइड किया। ईंधन खाली करने के बाद पायलटों ने रनवे 19 सेंटर पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की मदद से लैंडिंग की इजाजत मांगी। लैंडिंग के बाद खराब इंजन की वजह से विमान अपने आप रनवे से नहीं हट सका और उसे टो करके हटाना पड़ा। सोमवार तक यह विमान वॉशिंगटन डलेस एयरपोर्ट पर ही खड़ा रहा।

बारिश ने रोकी केदारनाथ यात्रा, सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच चट्टान टूटी, रोके गए सैकड़ों यात्री

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच भूस्खलन होने यात्री रोकी गई.

एजेंसी

रुद्रप्रयागः केदारनाथ यात्रा में बारिश और भूस्खलन लगातार बाधक बन रहा है. बारिश और भूस्खलन के चलते बार-बार केदारनाथ धाम की यात्रा प्रभावित हो रही है और धाम आने-जाने वाले तीर्थ यात्रिओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग फिर बंद हो गया है. जिस कारण यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है. पहाड़ों में आफत की बारिश लगातार जारी है. लगातार हो रही बारिश के कारण आम जनजीवन के साथ ही केदारनाथ यात्रा भी प्रभावित हो रही है. बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा मार्ग के सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच राजमार्ग जानलेवा बना हुआ है तो गौरीकुंड-केदारनाथ 19 किमी पैदल मार्ग भी जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो रहा है. जिस कारण तीर्थयात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बारिश और भूस्खलन के कारण यात्रा को बार-बार रोकना पड़ रहा है. दोनों तरफ रोके गए यात्रीः मंगलवार शाम सोनप्रयाग-गौरीकुंड राजमार्ग, गौरीकुंड के निकट भारी भूस्खलन होने के कारण बंद हो गया, जिसके बाद यात्रा भी रोकी गई है और केदारनाथ धाम से लौटने वाले श्रद्धालुओं को गौरीकुंड में रोका गया है. जबकि केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में रोक दिया गया है. तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा पड़ावों में रहने और खाने की समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं. जबकि सुरक्षा जवान भी तीर्थयात्रियों की हरसंभव मदद में जुटे हुए हैं. बुधवार को सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच गिरे बोल्डरों को साफ करने के बाद ही तीर्थयात्रियों को केदारनाथ धाम भेजा जाएगा.सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच भारी भूस्खलन बारिश के कारण रुक-रुककर गिर रहे बोल्डरः जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण गौरीकुंड से सोनप्रयाग की ओर करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी से सड़क पर बोल्डर्स और मलबा आने से मार्ग पूरी तरह से आवागमन को लेकर बाधित हो गया है. यहां पर रुक-रुककर बोल्डर गिर रहे हैं, जिस कारण केदारनाथ धाम से लौट रहे तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड में रोका गया है. संबंधित कार्यदायी संस्था के स्तर से मौके पर जेसीबी भिजवाकर कार्रवाई की जा रही है.

'बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाता है, तो अदालत हस्तक्षेप करेगी': सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है, इसलिए उसे कानून के अनुसार कार्य करना माना जाएगा

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई की. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने न्यायालय का ध्यान भारतीय चुनाव आयोग के इस कथन की ओर दिलाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं. क्योंकि वे या तो मर चुके हैं या स्थायी रूप से कहीं और चले गए हैं.

एजेंसी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अगर चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के मसौदा प्रकाशन में लाखों लोग छूट जाते हैं, तो याचिकाकर्ता यह बता सकते हैं कि वे जीवित हैं और पात्र हैं. कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाता है, तो अदालत तुरंत हस्तक्षेप करेगी. वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने पीठ के समक्ष चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व किया. पीठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है, इसलिए उसे कानून के अनुसार कार्य करना माना जाएगा, तथा याचिकाकर्ताओं के वकील को आश्वासन दिया कि न्यायालय एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में उनकी सभी चिंताओं को सुनेगा. पीठ ने कहा, आपकी आशंका यह है कि लगभग 65 लाख मतदाता सूची में शामिल नहीं होंगे. वे (चुनाव आयोग) 2025 की प्रविष्टि के संबंध में सुधार की मांग कर रहे हैं. हम एक न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं. राजद सांसद मनोज झा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वे जानते हैं कि ये 65 लाख लोग कौन हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि चुनाव आयोग मसौदा सूची में नामों का उल्लेख करता है, तो कोई समस्या नहीं है. पीठ ने कहा कि अगर बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे. न्यायमूर्ति बागची ने कहा, बाहर लाएं और कहें कि ये 20 लाख लोग हैं, जो जीवित हैं और वे मतदाता हैं. द्विवेदी ने तर्क दिया कि आपत्तियों पर विचार करने के बाद ही असली तस्वीर सामने आएगी कि किसे खारिज किया गया है और किसे नहीं. द्विवेदी ने कहा, वरना, यह सब अटकलें ही रहेंगी. 1 अगस्त को सूची का मसौदा तैयार होगा और आपत्तियां, दावे और सुधार आवेदन दाखिल करने के लिए 30 दिन का समय होगा. प्रकाशन 30 सितंबर को होगा. पीठ ने कहा कि वह मसौदा सूची से जुड़े मुद्दों पर याचिकाकताओं की बात सुनेगी. 12 और 13 अगस्त को दलीलें सुनने के लिए मामले पर सुनवाई कर सकती है. द्विवेदी ने कहा कि 12 और 13 अगस्त को असली तस्वीर सामने नहीं आएगी, सिर्फ आपत्तियां होंगी और तस्वीर जस की तस रहेगी. एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सूची 1 अगस्त को जारी होगी और उन्हें यही तस्वीर चाहिए. प्रस्तुतियां सुनने के बाद, पीठ ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए ईसीआई के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की.

केरल भाजपा का दावाः छत्तीसगढ़ नन मामला तस्करी या धर्मांतरण नहीं, सिर्फ तकनीकी गलती

राजीव चंद्रशेखर ने मीडिया को संबोधित करते हुए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और मामले पर पूरी जानकारी प्राप्त कर ली है। चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह गलतफहमी और गलत संचार का मामला है। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि शुरूआत में इस मामले को मानव तस्करी माना गया था, लेकिन मामला निजी प्लेसमेंट एजेंसी विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकरण में चूक का प्रतीत होता है।

एजेंसी

भाजपा की केरल इकाई छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार की गईं मलयाली ननों के समर्थन में उतर आई है और दावा किया है कि यह घटना न तो धर्मांतरण का मामला है और न ही मानव तस्करी का, बल्कि तकनीकी खामियों के कारण हुई गलतफहमी का नतीजा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मीडिया को संबोधित करते हुए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और मामले पर पूरी जानकारी प्राप्त कर ली है। चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह गलतफहमी और गलत संचार का मामला है। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि शुरूआत में इस मामले को मानव तस्करी माना गया था, लेकिन मामला निजी प्लेसमेंट एजेंसी विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकरण में चूक का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूँ कि उन्होंने आवश्यक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है। लेकिन यह निश्चित रूप से तस्करी या धर्मांतरण का मामला नहीं है। यह बयान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई द्वारा गिरफ्तारियों का बचाव करते हुए राज्य के धर्मांतरण विरोधी कानून का हवाला देते हुए आया है

'भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं'

थरूर के 'मौनव्रत' के बाद मनीष तिवारी के पोस्ट ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

आनंदपुर साहिब से सांसद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में एक समाचार लेख का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें वक्ताओं की सूची से उन्हें बाहर किए जाने पर प्रकाश डाला गया था। तिवारी ने 1970 की फिल्म पूरब और पश्चिम के प्रसिद्ध देशभक्ति गीत ₹है प्रीत जहाँ की रीत सदा₹ के बोल भी साझा किए।

एजेंसी

नई दिल्लीः संसद के मॉनसून सत्र 2025 के दौरान लोकसभा में 16 घंटे की बहस जारी है. सदन में मंगलवार को सत्ता पक्ष से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुरूआत की. वहीं, विपक्षी दल से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की. वहीं, कांग्रेस के कुछ नेताओं को सदन में बोलने वालों की लिस्ट में शामिल नहीं किया गया. इसमें तिरुवनंथपुरम से सांसद शशि थरूर और चंडीगढ़ से एमपी मनीष तिवारी का नाम शामिल है. शशि थरूर ने तो मौन व्रत-मौन व्रत कहकर मामले से पल्ला झाड़ लिया, लेकिन मनीष तिवारी से रहा नहीं गया

और सोशल मीडिया पर पार्टी के खिलाफ भड़ास निकाली. कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट शेयर करते हुए पार्टी पर हमला बोला है. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए एक खबर का स्क्रीनशॉट लिया और 1970 की एक फिल्म पूरब और पश्चिम का एक सदाबहार देशभक्ति गाना- प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत यहां के गाता हूं, भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं, जय हिंद शेयर किया. वहीं, मनीष तिवारी के इस पोस्ट से पार्टी में खलबली मच गई है. तिवारी ने पूरे मुद्दे पर अपने विचार स्पष्ट नहीं किए. वहीं, इससे पहले इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या तिवारी और शशि थरूर, जो भारत का रुख बताने के लिए विदेश भेजे गए राजनयिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस के दौरान निचले सदन में बोलेंगे या नहीं. वहीं, शशि थरूर ने पहले ही कह दिया था कि राष्ट्र के प्रति उनका दायित्व पहले है. पार्टी उसके बाद आती है. उन्होंने कहा कि पार्टी देश को विकास के रास्ते पर ले जाने का एक माध्यम है. इसलिए जो भी पार्टी हो, उसका उद्देश्य सिर्फ देश को बेहतर बनाने पर होना चाहिए.

संक्षेप

बार एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

1756 अधिवक्ताओं ने डाले वोट, 59 पदों के लिए कल आएगा परिणाम

सुलतानपुर, बार एसोसिएशन का चुनाव दीवानी कोर्ट में तक संपन्न हुआ। इस चुनाव में अध्यक्ष, सचिव समेत कुल 59 पदों के लिए उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई है। कुल 1913 पंजीकृत मतदाताओं में से 1756 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार मतदान प्रतिशत 91.8 रहा। चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए नगर कोतवाल धीरज कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। चुनाव की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। एल्डर कमेटी के मार्गदर्शन में यह चुनाव कराया गया है। बार एसोसिएशन के चुनाव को एक पारिवारिक चुनाव माना जाता है क्योंकि इसमें सभी मतदाता और उम्मीदवार वकील हैं।

पोल्ट्री फार्म से निकल रही जहरीली मक्खियां

दर्जनभर गांवों में फैला प्रकोप, भोजन पर मच्छरदानी लगाकर खाने की नौबत

सुलतानपुर, भदैया ब्लॉक के दक्षिणी दिशा में बसे दर्जनभर गांवों में जहरीली मक्खियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। सैकड़ों-हजारों की झुंड में निकल रही ये मक्खियां गांव-गांव और घर-घर में पहुंच चुकी हैं। पोल्ट्री फार्म से निकल रही इन मक्खियों से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। ग्रामीणों के सिर संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। भदैया ब्लॉक क्षेत्र के कैभा, केनौरा, रैनापुर, बालमपुर, पाठक का पुरवा, पूरनपुर आदि गांवों में सप्ताह भर से नीली रंग की जहरीली मक्खियों का झुंड दिखाई दे रहा है। ये मक्खियां रसोई से लेकर दरवाजे, नाली, खंडजा और पशुशाला तक हर जगह भिनभिना रही हैं। मवेशियों और बच्चों के ऊपर भी ये बैठी हुई देखी जा सकती हैं। इनके डंक से लोग बीमारी का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये मक्खियां जानवरों के चेहरे, रसोई में भोजन की थाली, बर्तन और अनाज सभी जगह पहुंच रही हैं। प्रकोप इतना बढ़ गया है कि लोगों को मच्छरदानी लगा कर भोजन करना पड़ रहा है।

महादेव मंदिर में शिव महापुराण का आयोजन

सुलतानपुर में आचार्य ने सुनाया रोचक प्रसंग, कई भक्त रहे मौजूद

सुलतानपुर, सावन मास में श्री पंचमुखेश्वर महादेव मंदिर भवानीपुर में शिव महापुराण की कथा चल रही है। कथा व्यास आचार्य संकटा प्रसाद भक्ति देव जी ने श्रोताओं को एक रोचक प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि ब्रह्मा के मन में भ्रम उत्पन्न हुआ कि सबसे श्रेष्ठ कौन है। ब्रह्मा सोचने लगे कि जब सृजनकर्ता मैं हूं तो मुझसे श्रेष्ठ कौन हो सकता है। इस भ्रम को दूर करने के लिए ब्रह्मा ने वेदों से प्रश्न किया। वेद आर्य होते हैं और उनमें सांसारिकता नहीं होती है। वे ही सत्य को स्पष्ट कर सकते हैं।

अतीक के करीबी मुजफ्फर के भतीजे की हिरासत पर हंगामा

महिलाओं ने नवाबगंज थाने का किया घेराव, ब्लॉक प्रमुख पर गो तस्करी के आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, माफिया अतीक के करीबी गो तस्करी के आरोपी मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे की कथित हिरासत को लेकर नवाबगंज थाने पर मंगलवार को भारी हंगामा हुआ। कौड़ीहार ब्लॉक के सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे मोहम्मद जैद को बीती रात पुलिस द्वारा घर से उठाए जाने के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने थाने का घेराव किया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के चफरी गांव निवासी जैद को परिजनों के अनुसार रात में पुलिस ने जबरन घर में घुसकर हथियार के बल पर उठाया। इस कार्रवाई से नाराज ग्रामीण, विशेषकर बड़ी संख्या में महिलाएं थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और हिरासत को अवैध बताया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मोहम्मद जैद को क्यों हिरासत में लिया, इसकी कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। न तो कोई सूचना दी जा रही है और न ही परिजनों को मिलने दिया जा रहा है। मौके पर पहुंची महिलाओं ने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे राजनीतिक द्वेष का हिस्सा बताया। बताया जा रहा है कि मोहम्मद जैद के चाचा और सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर वर्तमान में जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

परिजनों ने पुलिस पर दबाव बनाने और प्रताड़ना के मकसद से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। जैद की चाची फरजाना ने बताया, रात में जैद घर पर सो रहा था। पुलिस ने बिना बताए छत से कूदवाया और पिस्टल तान दी। वे जबरन उसे उठा ले गए। अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस मामले में अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पीडीए ने 12 अवैध निर्माण को किया सील

प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, विकास प्राधिकरण की तरफ से शहर में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन जारी है। जहां मंगलवार को प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ पीडीए यानी प्रयागराज विकास प्राधिकरण एक्शन में थे। पीडीए की तरफ शहर के झलवा इलाके में हो रहे 12 अवैध निर्माण को सील किया गया। इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि बगैर इजाजत के निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया जाएगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से मंगलवार को विधानसभा शहर पश्चिमी में कार्रवाई की गई। पीडीए सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान पहले से चिन्हित 12 अवैध निर्माण को सील किया गया। इसमे देवघाट झलवा में मुकेश विश्वकर्मा, मुबारकपुर कोटवा में करन यादव, अमन सिंह, राकेश सिंह की तरफ से बगैर नक्शा पास कराए हो रहे अवैध निर्माण को सील किया गया। इसी प्रकार एयरपोर्ट बाउंड्री के बगल झलवा में ही केपी शुक्ला, संजीव सिंह, मनोज सिंह, मोहित केसरवानी, गिरीश चंद्र पाल, ऊषा देवी, सतीश चंद्र, अरविंद तिवारी और रिशभ की ओर से कराए जा रहे अवैध निर्माण को सील किया। इस दौरान प्राधिकरण की तरफ से जोनल अधिकारी के साथ ही अवर अभियंता रूपेश पटेल, सुपरवाइजर देव पूजन मिश्रा, संतोष तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश से गिरे छप्पर के नीचे वृद्ध दबा

तख्त पर लेटे समय हुआ हादसा, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर के कमरौली थाना क्षेत्र के पूरे धौकल गिरी मजरे दौलतपुर निसूरा गांव में एक हादसा हो गया।

गांव निवासी 65 वर्षीय जगप्रशाद गिरी घर के बाहर छप्पर के नीचे तख्त पर लेटे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश के कारण छप्पर गिर गया। जगप्रशाद मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला। उन्होंने घायल वृद्ध को ट्रॉमा सेंटर, जगदीशपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश से पुराने छप्परों और जर्जर मकानों के गिरने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि बरसात में ऐसे कमजोर ढांचों की जांच की जाए। इससे आगे होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

पुरातन कालीन शिव मंदिर में सवा करोड़ शिवलिंग का महाभिषेक

साधु, संत, महात्माओं सहित देश की कई हस्तियां होंगी शामिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. हिंदू धर्म के प्राचीन देवताओं अर्थात त्रिदेव में महेश के रूप में शिवजी को सृष्टि का संहारक देवता के रूप में विशेष महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है. हिंदू मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि सृष्टि का लय और प्रलय दोनो शिवजी के ही हाथों में हैं. भगवान शिव की पूजा मूर्ति और शिवलिंग दोनों ही रूपों में होती है. भगवान शिव तथा शिवलिंग के महत्व को जन जन तक पहुंचाने के लिए स्थानीय पुरातन कालीन शिव मंदिर परिसर में पूज्य बृजेशानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में आगामी 11 अगस्त 21 अगस्त के बीच एक भव्य दिव्य धार्मिक आयोजन आयोजित किया गया है, इसकी अभी से तैयारियां शुरू हो गई है. इस अनुष्ठान में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंगों का महाभिषेक किया जाएगा. अंबरनाथ के इतिहास में इस तरह का यह पहला धार्मिक आयोजन होगा. भगवान शिव को 108 नामो से जाना जाता है, जिनमें शंकर, महाकाल, आदिदेव, नीलकंठेश्वर, भोलेनाथ आदि प्रमुख हैं. शैव या शाक्त धर्म में शिवजी को परब्रह्म और सर्वोच्च ईश्वर के रूप में स्थान दिया था. आयोजन समिति से जुड़े तथा उद्योगपति संजय गुप्ता ने बताया कि महायज्ञ के अधिष्ठाता पूज्य बृजेशानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में रोजाना औसतन तीन से चार हजार शिवभक्त भाग लेंगे, जो कार्यक्रम के पंडाल में शिवलिंग को बनाएंगे. इस अनुष्ठान में प्रतिदिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण और महाभिषेक किया जाएगा. प्रतिदिन दस लाख से अधिक शिवलिंग बनाए जाएंगे, ग्यारह दिन में सवा करोड़ शिवलिंगों का निर्माण किए जाने की तैयारी श्रद्धालुओं द्वारा की जाएगी. मिट्टी के बने पार्थिव शिवलिंग का महाभिषेक कर उन्हें विसर्जित किया जाएगा. 11 अगस्त को मंदिर परिसर में कलश यात्रा से धार्मिक समारोह की शुरूआत होगी.

हजारों वर्ष पुराने प्राचीन शिवमंदिर परिसर में शिवलिंग महाभिषेक का आयोजन हो रहा है यह शिव प्रेमियों के लिए बड़े ही गर्व तथा हर्ष का क्षण होगा. इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समृद्धि, वैभव प्राप्त होता है. इस प्रकार के 49 धार्मिक आयोजन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा सहित देश के अन्य कई राज्यों में सफलतापूर्वक हो चुके है. महाराष्ट्र के अंबरनाथ में होने जा रहा यह आयोजन 50 वां होगा. विश्व कल्याण तथा सनातन धर्म की रक्षा और जनजागृति के लक्ष्य को लेकर यह अनुष्ठान किया जा रहा है. इस तरह के धार्मिक आयोजनों से लोगों में धर्म के प्रति लगाव तथा जुड़ाव होता है, मुझे पूरा भरोसा है कि भगवान शिव की कृपा से आयोजन बहुत ही कामयाब होगा.

अनियंत्रित होकर पलटा छोटा हाथी

इन्हौना रेलवे क्रॉसिंग के पास तीखे मोड़ पर हुआ हादसा, कोई हताहत नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, थाना इन्हौना रेलवे क्रॉसिंग से कुछ ही दूरी पर स्थित तीखे मोड़ पर मंगलवार सुबह एक छोटा हाथी (लोडिंग वाहन) अनियंत्रित होकर पलट गया। सौभाग्य से इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन की रफ्तार अधिक थी। मोड़ पर संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एक ट्रैक्टर की मदद से वाहन को सीधा किया। इससे आवागमन फिर से सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मोड़ बेहद खतरनाक है। पहले भी यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मोड़ पर संकेतक बोर्ड लगाने और सड़क सुधार की मांग की है।

स्थानीय पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रदीप सिंह थाना प्रभारी इन्हौना ने बताया कि वाहन स्वामी की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

ग्राम प्रधान ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

रेवड़ा गांव में इंटर और हाईस्कूल में अव्वल रहे बच्चों को दिए पुरस्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जनपद के ब्लॉक भादर के रेवड़ा गांव में नाग पंचमी के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव के वर्तमान प्रधान दयाराम पाल ने प्राइमरी विद्यालय में मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए समारोह रखा। इस कार्यक्रम में गांव के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह के दौरान क्षेत्र और समाज में शिक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा भी हुई। इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा आयुषी जगन्नाथ यादव को सम्मानित किया गया। इसके अलावा श्वेता (भारत यादव की पुत्री) और शिल्पा पाल (राम मिलन पाल की पुत्री) को भी पुरस्कृत किया गया। हाई स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रिचा यादव (हंसराज यादव की पुत्री), द्वितीय स्थान पर अंकित पाल (लल्लन पाल के पुत्र) और तृतीय स्थान पर हिमांशु (लाल जी पाल के पुत्र) को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य व्यक्ति राकेश यादव, धर्मेंद्र तिवारी, धर्मराज यादव, कालूराम के साथ-साथ प्राइमरी विद्यालय के सभी अध्यापक उपस्थित रहे। इस पहल को क्षेत्र में सराहना मिल रही है। विशेष रूप से लड़कियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना समाज के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्राम प्रधान की इस पहल से छात्र-छात्राओं में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

प्लाट विवाद में दबंगों ने महिला और लड़की को पीटा

दीवार गिराई, घायल किसान की हालत नाजुक, लेखपाल पर पक्षपात के आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , थाना गोंडा इलाके के गांव नगला पीपल में प्लाट व रास्ते के विवाद में दबंगो ने किसान को जमकर पीटा। धारदार हथियार और लाठी डंडे से वार कर लहूलुहान कर दिया। किसान को बचाने पहुंची पत्नी और बेटी के साथ भी दबंगों ने मारपीट कर दी। सूचना पर डायल 112 की पीआरवी और इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। यहां से एक की घायल की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने सोमवार की देर रात्रि मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पीड़ित ने लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में दबंगों के खिलाफ थाने में शिकायत की है। लेखपाल की शिकायत जल्द डीएम से करने की बात कही है। गांव नगला पीपल के रहने वाले श्याम बाबू गौतम पुत्र सुखराम सिंह किसान है। वर्तमान में सासनी गेट क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी में किराये के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। बेटी और दो बेटे पढ़ते हैं। गांव में दादा लाई खरीदा हुआ 600 वर्गगज का एक प्लाट है। जिस पर करीब 20 साल से श्याम बाबू गौतम का कब्जा है। घटना के समय गए थे। वहां देखा कि गांव के दबंगों ने प्लाट की दीवार तोड़ दी थी। विरोध करने पर धारदार हथियार व लाठी डंडे से वार कर लहूलुहान कर दिया। इसकी जानकारी पर बेटी निशा और पत्नी सीमा गांव पहुंच गए। आरोप है कि दबंगों ने उनको भी पीट दिया। गांव में खलबली मच गई। कंट्रोल रूम को सूचना दी। जिसके बाद डायल 112 की पीआरवी और थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन उससे पहले ही हमलावर भाग गए। पुलिस उनके घर गई। लेकिन कोई नहीं मिला। निशा ने बताया कि नापतौल के लिए लेखपाल आई थी। लेकिन उनको कोई नोटिस नहीं दिया था। आरोपी पक्ष को बुलाकर नापतौल कर दी। लेखपाल ने एक पक्षीय कार्रवाई की है। थाना पुलिस को तहरीर दे दी है। लेखपाल की शिकायत डीएम से करेंगे। डॉक्टर सचिन वर्मा ने बताया कि घायल श्याम बाबू गौतम को पुलिस लाई थी। उनको सोमवार देर रात्रि मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सिर में गम्भीर चोट थी।

अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ प्रदर्शन

बहन-बेटियों पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य द्वारा महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। वाहिनी के महानगर महासचिव विकास कुमार के नेतृत्व में कार्यकताओं ने अंबेडकर भवन डीग गेट चौकी पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने समाजवादी मैदान में नारेबाजी की और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के नाम चौकी इंचार्ज रिंकेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी और महानगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद ने कथावाचक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अनिरुद्धाचार्य द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी की वे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने मांग की कि कथावाचक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि कथावाचक ने व्यास गद्दी पर बैठकर बहन-बेटियों के प्रति अभद्र टिप्पणी कर धार्मिक स्थल का अपमान किया है। उन्होंने मांग की कि भागवताचार्य को देश की सभी महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

चोरों ने बाउंड्रीवॉल फांदकर घर में की चोरी

ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और कीमती बर्तन उठा ले गए, पीड़िता ने थाने में दी तहरीर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, कोतवाली क्षेत्र के पूरे भवानी बक्स चौबे गांव में बीती रात चोरों ने एक मकान में बाउंड्रीवॉल फांदकर प्रवेश किया। चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और कीमती सामान चुरा लिए। पीड़िता श्यामा देवी पत्नी जगदीश नारायण यादव उर्फ कल्लू के अनुसार, चोरों ने घर के पीछे से बाउंड्रीवॉल कूदकर अंदर प्रवेश किया। उन्होंने कमरों के ताले तोड़कर सोने का झुमका, 4 जोड़ी पायल, खाखरा, परात और अन्य कीमती बर्तन चुरा लिए। श्यामा देवी ने बताया कि सुबह जब वह उठीं तो कमरे का ताला टूटा हुआ था और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तुरंत 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़िता को थाने में तहरीर देने को कहा।

मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन का प्रदर्शन

फ्रैंको इंडिया फार्मास्यूटिकल पर गैरकानूनी कार्रवाई का आरोप, एसपी और डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के सदस्यों ने मंगलवार को पहले डीएम ऑफिस पर डीएम को फिर एसपी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक मांग पत्र पुलिस अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया। संदीप तिवारी ने बताया कि वे फ्रैंको इंडिया फार्मास्यूटिकल कंपनी के खिलाफ शिकायत लेकर आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुंबई स्थित यह कंपनी अपने गैरकानूनी कार्यों को छिपाने के लिए एसोसिएशन के सदस्यों पर झूठे मुकदमे दर्ज करवाना चाहती है। तिवारी ने कहा कि कंपनी उनके साथियों की तनख्वाह और खर्चे रोक रही है। जब वे इसका विरोध करते हैं या मेमोरेंडम देने की कोशिश करते हैं, तो कंपनी उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज करने की धमकी देती है। एसोसिएशन के सदस्यों ने एसपी से अनुरोध किया है कि वे इस मामले का संज्ञान लें ताकि किसी भी सदस्य को गैरकानूनी रूप से न फंसाया जा सके। उन्होंने डीएम को भी ज्ञापन सौंपा है, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कोई गैरकानूनी कार्रवाई नहीं होने दी जाएगी और उनके हितों की रक्षा की जाएगी।

एसोसिएशन की इकाई के सचिव राकेश श्रीवास्तव ने भी इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया और अधिकारियों से न्याय की मांग की।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० - A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय - 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक - डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता - आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक - माता प्रसाद शर्मा, फिल्म - संपादक - जगन्नाथ तिवारी